वैशाख शुक्ल पक्ष- 5 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 285 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
21 अप्रैल 2026 मंगलवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
39.8 अधिकतम
23.4 न्यूनतम

Page-7

अमेरिका की दूरगामी हसरतों के बीच चुनौतियों से खीझते राष्ट्रपति ट्रम्प

अमेरिका- ईरान टकराव को अगर केवल युद्ध, बदले और कूटनीति के चश्मे से देखा जाए, तो यह अधूरा सच है। असल कहानी कहीं गहरी है। ऊर्जा, डॉलर और वैश्विक प्रभुत्व की है। इसके लिए सिर्फ ट्रम्प के मौजूदा कार्यकाल ही नहीं बीतें पांच साल में अमेरिका की बदली रणनीति को भी देखना होगा। हालांकि इस पूरे खेल में कई पेंच और विरोधाभास भी हैं , जो अमेरिका के राजनीतिक नेतृत्व, यानी डोनाल्ड ट्रम्प के लिए बेचैनी बढ़ा रहे हैं।

वॉर एनालिसिस
● राजेश सिरोठिया

ट्रम्प के बीते सवा साल के कालखंड से अलग हटकर भी बीते पांच सालों की घटनाओं को देखें तो अमेरिका की पुरानी नीतियों से हटकर एक पैटर्न साफ समझ में आता है। पहले वह सबकी सोचता था। अब उसकी सोच आत्मकेंद्रित है । उसने यूरोपीय या नाटो में शामिल देशों को संरक्षण देने से ज्यादा उनका इस्तेमाल किया है। उनकी जेब से भारी रकम खर्च भी कराई है। उन्हें तेल और गैस के संकट में डाला है। उन्हें अमेरिका से मंहगे तेल और गैस खरीदने को विवश किया है। इसी के चलते नॉटो देश उससे छिटकते दिख रहे हैं और ट्रम्प खीझ रहे हैं। ट्रम्प ने जो बाइडेन सरकार की पुरानी नीतियों पर चलने के साथ अमेरिका फर्स्ट के बजाए आत्मकेंद्रित अमेरिका की सोच को जिस तेजी से लागू करने की कोशिश की, उसी से पैदा होते अवरोध उन्हें हताशा की तरफ ले जा रहे हैं।

यूक्रेन के नाम पर यूरोप को गहरे संकट में डाला

अमेरिका का असली मकसद था- कच्चे तेल की सप्लाई और गैस की स्वायत्त बहुध्रुवीय व्यवस्था को नाकाम करके तेल और गैस के भंडारों पर राज करना। इसके लेन - देन में डॉलर की महत्ता को और मजबूत करना। रूस -यूक्रेन जंग के बाद यूरोप की ऊर्जा निर्भरता रूस से हटकर अमेरिका की ओर शिफ्ट हुई। यूरोप के पास विकल्प सीमित हो गए। 2021 में जहां यूरोप को अमेरिका से उसकी जरूरतों की 28 फीसदी गैस मिलती थी वह 2025 में 58 फीसदी बढ़ गई। रूस की गैस पाइप लाइनों के जरिए 150 बिलियन घनमीटर गैस की सप्लाई यूक्रेन वार के चलते 40 बिलियन रह गई। यानी एक तरफ अमेरिका यूरोप के अपने सहयोगी देशों को यूक्रेन की मदद के लिए उकसाता रहा, दूसरी तरफ उसकी गैस निर्भरता को रूस के बजाए अमेरिका की मंहगी गैस पर बढ़ाता गया। इसके बाद वेनेजुएला की बात करें तो वह अपना भारी कच्चा तेल चीन को डॉलर के बजाए दूसरी मुद्रा में कर रहा था। ईरान भी यही करता है। कतर का रास लफान गैस संयंत्र जो दुनिया के सबसे बड़े गैस सप्लाई संयंत्रों में शुमार था, उसकी ईरानी जंग के बाद सप्लाई क्षमता पर गहरा असर पड़ा है।

निगाहें ईरान पर, निशाना चीन पर

चीन की बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव को भी ईरान की जंग से गहरा झटका लगा है। चीन सिर्फ पाक के सीपेक और ग्वादर पोर्ट तक सीमित नहीं रहा है। वह ईरान, ईराक, सीरिया होते हुए समंदर के लंबे और अमेरिकी नियंत्रण वाले खतरे भरे रास्तों को बायपास करते हुए अपने व्यापार के सपने को अंजाम देने की कवायद में जुटा था। चीन का यह मंसूबा कामयाब हो गया तो दुनिया के अफ्रीकी और यूरोपीय देशों के सामने खरीदी के लिए नए और सस्ते विकल्प मिल जाएंगे। इससे अमेरिकी मोनोपॉली को कड़ी चुनौती मिलेगी । लेकिन, अमेरिका ने ईरान और वेनेजुएला में खलल पैदा करके इसे रोका। इसके पहले सीरिया पर अपना नियंत्रण करके उसकी राह रोकी है।

आंशिक कामयाबी के साथ जोखिम भरे रास्ते...

ऊर्जा बाजार में समुद्री मार्गों पर नियंत्रण और डॉलर की वैश्विक स्थिति को मजबूत करने में अमेरिका काफी हद तक कामयाब रहा है। एक्सोमोबिल तथा चेरवान जैसी कंपनियां इस नई ऊर्जा व्यवस्था की रीढ़ बन चुकी हैं। लेकिन यहीं विरोधाभास है। ऊर्जा संकट जितना अमेरिका को वैश्विक ताकत देता है, उससे तेल की कीमतें भी बढ़ी हैं। अमेरिकी जनता भी इस महंगाई से अछूती नहीं। ट्रम्प के लिए यह राजनीतिक जोखिम है। वह चाहते हैं कि दुनिया अमेरिकी ऊर्जा पर निर्भर रहे, लेकिन अमेरिकी वोटर को महंगाई न झेलनी पड़े। यह संतुलन बिठाना बेहद मुश्किल है। अमेरिका अपने ग्रैंड मास्टर प्लान के तहत चलती चालों में पूरी तरह कामयाब नहीं हो पा रहा है। चाहे वह नार्ड स्ट्रीम पाइपलाइन्स की घटना हो या वेनेजुएला की स्थिति। अमेरिका का प्रभाव जरूर है, लेकिन पूर्ण नियंत्रण नहीं। मादुरो भले ही अमेरिका की गिरफ्त में हैं लेकिन वेनेजुएला की सत्ता पर अपनी कठपुतली सरकार अमेरिका नहीं बिठा सका है। वैश्विक ऊर्जा बाजार पर कब्जे की मंजिल भी दूर नजर आ रही है। ऊर्जा स्त्रोत सिर्फ अमेरिका नियंत्रित अभी भी नहीं हैं और आगे भी हो पाएंगे इसमें संशय कायम है। चीन ईरान को छोड़ नहीं सकता क्योंकि दुनिया का सबसे बड़ा तेल और गैस भंडार उसका है। फिर ईरान ऐसा प्रतिद्वंदी है जो सीमित संघर्ष को भी वैश्विक संकट में बदल सकता है। चाहे वह होर्मुज की नाकेबंदी हो या क्षेत्रीय प्रॉक्सी नेटवर्क। सच्चाई यह है कि अमेरिका बढ़त जरूर बना रहा है, लेकिन यह एक नियंत्रित शतरंज नहीं बल्कि एक अनिश्चित भू-राजनीतिक खेल है। यही ट्रम्प की झुंझलाहट का असली कारण है। अगर यह रणनीति पूरी तरह उनके नियंत्रण में होती, तो वह आक्रामक आत्मविश्वास दिखाते। लेकिन आज उनकी भाषा, उनके संकेत और उनकी प्रतिक्रिया यह बताते हैं कि वे एक ऐसे खेल को मैनेज करने की कोशिश कर रहे हैं, जो जोखिमों से भरा है। अंत में सवाल यही कि क्या अमेरिका ऊर्जा, डॉलर और वैश्विक राजनीति के इस जटिल समीकरण को स्थायी रूप से अपने पक्ष में मोड़ पाएगा, या फिर यह रणनीति खुद उसके लिए नई चुनौतियों का कारण बनेगी।

हैदराबाद-दिल्ली, समय : शाम 7.30 बजे

न्यूज विंडो

जर्मनी के गुरुद्वारे में हिंसक झड़प, 11 लोग घायल

बर्लिन। जर्मनी के मोर्स शहर के ड्यूसबर्ग इलाके में स्थित एक गुरुद्वारे में दो गुटों के बीच अचानक हिंसक झड़प हो गई। इस घटना में कम से कम 11 लोग घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, यह झगड़ा इतना बढ़ गया कि इस दौरान चाकू, कृपाण, पेपर स्प्रे और यहां तक कि एक पिस्टल का भी इस्तेमाल किया गया। बताया जा रहा है कि करीब 40 लोग इस झगड़े में शामिल थे।

भूकंप से कांपा मणिपुर, असम नगालैंड में भी धरती हिली

मणिपुर। आज सुबह मणिपुर के कई हिस्सों में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र मणिपुर के कामजोंग जिले में था। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.2 रही। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के मुताबिक यह भूकंप सुबह 5:59 बजे आया। इससे कामजोंग और उसके आस-पास के इलाकों में रहने वाले लोग दहशत में आ गए। झटके महसूस होते ही लोग अपने घरों से बाहर भाग गए।

पिरामिड देखने गए पर्यटकों पर गोलीबारी, एक की मौत

मेक्सिको। यहां उत्तर में स्थित एक पुरातात्विक स्थल है। यहां ऐतिहासिक पिरामिड देखने पहुंचे पर्यटकों पर एक बंदूकधारी हमलावर ने गोलीबारी शुरू कर दी। इस घटना में एक कनाडाई नागरिक की मौत हो गई और करीब 13 लोग घायल हो गए। स्थानीय प्रशासन का दावा है कि इसमें से केवल 7 लोग गोली लगने से घायल हुए हैं, जिसमें 6 अमेरिकी, 3 कोलंबियाई, एक रूसी, दो ब्राजीलियाई और एक कनाडाई नागरिक है। अन्य लोग कैसे घायल हुए, इसके बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

आज का कार्टून

कल खत्म हो रहा है 15 दिनों का सीजफायर... दोनों तरफ से युद्ध की तैयारी के दावे

वार्ता से पहले हाई वोल्टेज टेंशन, ईरान का यू-टर्न, अब बातचीत के लिए तैयार!

वाशिंगटन डीसी/तेहरान।. एजेंसी

ईरान-अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध में अब तक काफी नुकसान हो चुका है। दोनों ही पक्ष चाहते हैं मामला सुलह तक पहुंचे, लेकिन मुश्किल ये है कि इसमें झुकेगा कौन? दूसरे दौर की इस्लामाबाद वार्ता पर लगातार सस्पेंस के बीच एक बड़ी अपडेट ये आई है कि ईरान वार्ता के लिए तैयार हो गया है और उसने अपना डेलिगेशन इस्लामाबाद भेजने का मन बना लिया है। अमेरिकी अखबार द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक दूसरे दौर की वार्ता के लिए दोनों देशों ने हामी भर दी है। हालांकि वार्ता के पहले दोनों देशों की ओर से दी जा रही धमकियों से फिलहाल तनाव चरम पर है और कहा जा रहा है की इस बार भी अगर वार्ता विफल हुई तो फिर युद्ध छिड़ सकता है।

अमेरिका और ईरान ने दोनों ने युद्धविराम की समय सीमा खत्म होने से पहले चेतावनी दी है कि वे युद्ध के लिए तैयार हैं। एएफपी के मुताबिक इस्लामाबाद में होने वाली बातचीत को लेकर अब भी अनिश्चितता बनी हुई है। व्हाइट हाउस ने कहा है कि उपराष्ट्रपति जेडी वेंस एक बार फिर इस्लामाबाद जाने के लिए तैयार हैं और युद्ध खत्म करने के लिए दूसरे दौर की बातचीत की तैयारियां चल रही हैं। दोनों देशों के बीच ताजा तवाव की वजह राष्ट्रपति ट्रम्प का वह बयान है जिसमें उन्होंने कहा कि अमेरिका तब तक ईरान के बंदरगाहों पर लगी नाकेबंदी नहीं हटाएगा, जब तक तेहरान के साथ कोई समझौता नहीं हो जाता। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा कि एक हफ्ते पहले शुरू हुई यह नाकेबंदी ईरान को पूरी तरह तबाह कर रही है। उन्होंने यह भी कहा कि इस संघर्ष में अमेरिका बहुत आगे है।

इसके जवाब में ईरानी संसद के स्पीकर गालिबाफ ने सोशल मीडिया पर लिखा कि ट्रम्प दबाव बनाकर और सीजफायर तोड़कर बातचीत को ऐसी बनाना चाहते हैं, जहां ईरान को झुकना पड़े या फिर दोबारा जंग शुरू करने का बहाना मिल जाए। गालिबाफ ने आगे कहा कि ईरान किसी भी धमकी के दबाव में बातचीत नहीं करेगा।

होर्मुज के लिए आगे आए जिनपिंग

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पहली बार होर्मुज स्ट्रेट को खोलने की अपील की है। इससे साफ होता है कि अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा तनाव चीन की अर्थव्यवस्था पर दबाव डाल रहा है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक जिनपिंग ने सोमवार को सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से फोन पर बात करते हुए कहा कि यह अहम समुद्री रास्ता सामान्य आवाजाही के लिए खुला रहना चाहिए। इसी रास्ते से चीन अपने लगभग 40 फ़ीसदी तेल का आयात करता है। रिपोर्ट के मुताबिक फिलहाल चीन के पास कई महीनों का ऊर्जा भंडार है, लेकिन अगर वैश्विक आर्थिक मंदी लंबी चली, तो उसे नुकसान होगा।

वसुंधरा राजे का कथित पत्र वायरल किया

कांग्रेस आईटी सेल के 3 कार्यकर्ता गिरफ्तार हाईकोर्ट पहुंचे तन्खा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के एक कथित पत्र को सोशल मीडिया पर पोस्ट करने पर प्रदेश कांग्रेस आईटी सेल के 3 कार्यकर्ता पुलिस हिरासत में हैं। इसकी जानकारी कांग्रेस सांसद विवेक तन्खा ने फेसबुक के माध्यम से दी है। कांग्रेस सांसद विवेक तन्खा के अनुसार पुलिस ने शुरू में कांग्रेस आईटी सेल के 7 कार्यकर्ताओं को उठाया था, लेकिन बाद में उन्हें रिहा कर दिया। इसके बाद तीन कार्यकर्ताओं को 27 घंटों से हिरासत में रखा गया है। हमारी लीगल टीम ने हाई कोर्ट में याचिका दाय रकी है।

विवेक तन्खा ने फेसबुक पर लिखा कि पिछले 27 घंटे से भोपाल साइबर पुलिस ने कार्यकर्ताओं को बिना किसी वाजिब कारण के हिरासत में रखा है।

साइबर फ्रॉड मामले में पहली बड़ी कार्रवाई

ठगों से मिले हुए थे बैंकों के मैनेजर तीन अफसरों समेत 20 गिरफ्तार

राजकोट, एजेंसी

गुजरात के राजकोट में 2500 करोड़ रुपये के साइबर फ्रॉड का भंडाफोड़ हुआ है। इस साइबर फ्रॉड में प्राइवेट बैंकों के अधिकारी भी शामिल थे। पुलिस ने मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही कुल गिरफ्तार आरोपियों की संख्या 20 हो गई है। राजकोट (ग्रामीण) के पुलिस अधीक्षक विजय गुर्जर ने बताया कि पाधाधरी स्थित यस बैंक के पर्सनल मैनेजर मौलिक कामानी, जामनगर स्थित एक्सिस बैंक के मैनेजर कल्पेश डांगरिया डांगरियाऔर एचडीएफसी बैंक के पर्सनल बैंकर अनुराग बाल्धा को कथित संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। कामानी पर आरोप है कि उसने पहले से गिरफ्तार आरोपियों को संदिग्ध खाते खोलने और उन्हें मैनेज करने में मदद की। उसने कई डॉक्यूमेंट्स का इस्तेमाल कर अकाउंट्स को एक्टिव बनाए रखा, जिससे बड़ी रकम के लेन-देन पर बैंक द्वारा जारी किए जाने वाले अलर्ट को बाइपास किया जा सके।

कैश निकालने में मदद करते थे: डांगरिया ने नकली पहचान का इस्तेमाल कर खाते खुलवाने में मदद की। वहीं बाल्धा ने वेरिफिकेशन और सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया पूरी करने के बाद नए खाते खोले। ये तीनों अधिकारी अकाउंट से कैश निकालने में भी मदद करते थे, जिसे हवाला चैनलों के जरिए आगे भेजा जाता था। तीनों को पुलिस हिरासत में भेज दिया है, जबकि पहले से गिरफ्तार अन्य आरोपी जेल में हैं। पुलिस ने इस रैकेट से जुड़े 85 बैंक खातों की पहचान की है और साइबर क्राइम पोर्टल पर 535 शिकायतें दर्ज की गई हैं।

टीकमगढ़ में बस पलटी 11 यात्री हुए घायल

टीकमगढ़। टीकमगढ़ में आज सुबह बड़ागांव रोड पर एक यात्री बस पलट गई, जिसमें 11 लोग घायल हो गए। हादसा जिला मुख्यालय से लगभग 5 किलोमीटर दूर हनुमान मंदिर के पास क्रॉसिंग के दौरान हुआ। बस सर्विस कंपनी की थी और इंदौर से टीकमगढ़ आ रही थी। घटना कोतवाली थाना क्षेत्र में हुई। कुछ यात्रियों को सिर में गंभीर चोटें आई हैं, जबकि अधिकांश को मामूली चोटें लगी हैं। पुलिस फिलहाल घटना के कारणों की जांच कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि उनकी पहली प्राथमिकता घायलों को उचित इलाज कराना है। घटना की जानकारी लगते ही टीकमगढ़ कलेक्टर विवेक श्रोतिय घायलों से पूछताछ के लिए अस्पताल पहुंचे।

पारिवारिक सद्भावना जागृति अभियान

भोपाल। ब्रह्माकुमारीज संस्था के स्थापना नवदशकोत्सव के उपलक्ष्य में संचालित पारिवारिक सद्भावना जागृति अभियान के रथ को आज मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने रीवा से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल भी मौजूद थे।

मेट्रो एंकर | टिम कुक ने की तारीफ... कहा - वे दिमाग से इंजीनियर और आत्मा से इनोवेटर हैं

परदे के पीछे रहकर कंपनी को बढ़ाने वाले जॉन टर्नस अब ऐपल के नए बॉस

सेनफांसिस्को /नई दिल्ली, एजेंसी

दुनिया की सबसे कीमती कंपनी ऐपल ने आखिरकार अपने नए सीईओ के नाम का खुलासा कर ही दिया। बीते 4-5 साल से यह खबर उड़ती रही है कि ऐपल टिम कुक की जगह नया सीईओ बना रही है। लेकिन, इन अफवाहों के बीच कुक ने अपने 15 साल बतौर सीईओ पूरे भी कर लिए और अब जाकर कंपनी ने 50 साल के जॉन टर्नस को अपना मुख्य कार्यकारी अधिकारी चुन लिया है। टर्नस 1 सितंबर, 2026 से नई जिम्मेदारी संभालेंगे। ज्यादातर लोगों ने शायद जॉन टर्नस का नाम नहीं सुना होगा लेकिन ऐपल को आज सबसे मूल्यवान कंपनी बनाने का श्रेय जॉन को भी उतना ही जाता है, जितना कुक के नाम है। जॉन टर्नस फिलहाल ऐपल के हार्डवेयर इंजीनियरिंग विभाग के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट हैं। यह वही विभाग है, जो ऐपल आईफोन से लेकर तमाम प्रोडक्ट की डिजाइन और क्वालिटी निर्धारित करने में प्रमुख भूमिका निभाता है। खुद टिम कुक ने उनकी तारीफ करते हुए कहा है कि जॉन दिमाग से इंजीनियर और आत्मा से इनोवेटर हैं। इसका मतलब है कि उनका स्वभाव ही कुछ नया खोजने और करने का है। उनकी अगुवाई में ही ऐपल की इंजीनियरिंग इतनी शानदार हो गई है, जिसे आज दुनिया की कोई टेक कंपनी टक्कर नहीं दे पाती है।

टीम कुक के साथ जॉन टर्नस (बाएं)

डेड स्टार्टअप से शुरू किया था करियर

जॉन टर्नस ने साल 1997 में यूनिवर्सिटी ऑफ पेंसिलवेनिया से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की और लगभग खत्म हो चुके एक स्टार्टअप 'वर्चुअल रिसर्च सिस्टम' में बतौर मैकेनिकल इंजीनियर अपना करियर शुरू किया। इस स्टार्टटप के लिए भी टर्नस ने वर्चुअल रियलिटी हेंडसेट डिजाइन किए। इससे पहले पढ़ाई के दौरान ही उन्होंने सिर के मूवमेंट से चलने वाला मैकेनिकल फीडिंग ऑर्म डिजाइन किया, जो शुरुआत से ही उनकी प्रैक्टिकल अप्रोच को दिखाता है। टर्नस ने साल 2001 में ऐपल की प्रोडक्ट डिजाइन टीम को ज्वाइन किया था, जहां शुरुआत में उन्होंने ऐपल सिनेमा डिस्प्ले पर काम किया। उनकी काबिलियत को देखते हुए कंपनी ने उन्हें साल 2013 में हार्डवेयर इंजीनियरिंग विभाग का वाइस प्रेसिडेंट बना दिया।

कई प्रोडक्ट बनाने में बड़ी भूमिका

जॉन टर्नस ने ऐपल के एयरपॉड्स, आईपैड, मैकबुक प्रो, आईमैक, मैक प्रो जैसे प्रोडक्ट को डेवलप करने में बड़ी भूमिका निभाई है। वे तमाम इवेंट में नियमित रूप से हार्डवेयर को प्रेजेंट करते रहे हैं। टिम कुक की अगुवाई में कंपनी की मार्केट वैल्यू 350 अरब डॉलर से बढ़कर 4 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गई। कहा जाता है कि जॉन ज्यादा हाईलाइट में रहना पसंद नहीं करते, लेकिन बॉस की इस नई भूमिका के साथ वह कंपनी को कहां ले जाते हैं, इस पर पूरी दुनिया की निगाह होगी।

सौंदर्यीकरण की हकीकत: ताज-उल-मसाजिद के पास फुटपाथ रेलिंग टूटी

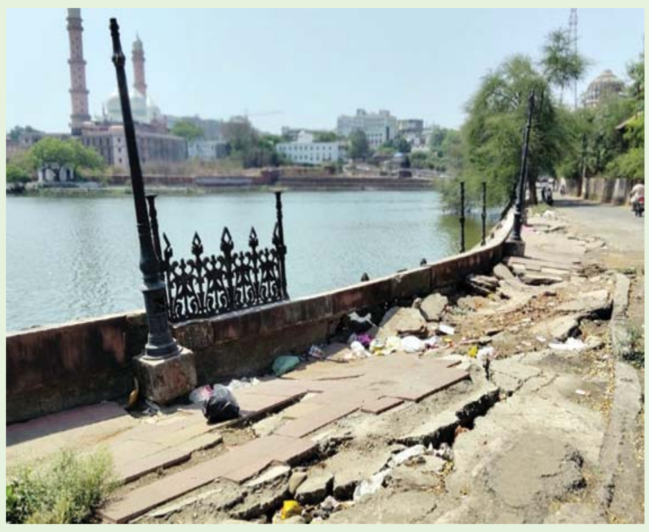

भोपाल। एक ओर जहां शहर को स्मार्ट सिटी और पर्यटन हब के रूप में विकसित करने के दावे किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जमीनी हकीकत इन दावों की पोल खोल रही है। ऐतिहासिक और एशिया की सबसे बड़ी मस्जिदों में शुमार ताज-उल-मसाजिद के पास तालाब किनारे बनाए गए फुटपाथ और रेलिंग की हालत बेहद खराब हो चुकी है। तालाब के किनारे सौंदर्य बढ़ाने के लिए बनाई गई रेलिंग जगह-जगह से टूटी-फूटी पड़ी है। कई स्थानों पर लोहे की रेलिंग उखड़ चुकी है, जिससे न सिर्फ इलाके की सुंदरता पर असर पड़ रहा है, बल्कि यह राहगीरों के लिए भी खतरा बन गई है। शाम के समय यहां बड़ी संख्या में लोग टहलने और घूमने आते हैं, लेकिन टूटी रेलिंग किसी बड़े हादसे को न्योता दे रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस समस्या की शिकायत कई बार नगर निगम से की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी के कारण यह क्षेत्र धीरे-धीरे बदहाली की ओर बढ़ता जा रहा है। एक ओर प्रशासन शहर को पर्यटन के नक्शे पर बेहतर तरीके से प्रस्तुत करने की बात करता है, वहीं दूसरी ओर ऐसे प्रमुख स्थलों की अनदेखी सवाल खड़े करती है। तालाब किनारे का यह इलाका शहर की पहचान है, जहां रोजाना पर्यटक भी पहुंचते हैं। ऐसे में टूटी रेलिंग और खराब रखरखाव शहर की छवि को भी नुकसान पहुंचा रहा है। जरूरत है कि नगर निगम इस ओर तत्काल ध्यान दे और फुटपाथ व रेलिंग की मरम्मत कराकर सौंदर्यीकरण को बनाए रखने के साथ-साथ लोगों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करे।

हॉस्टल में जूनियर छात्रों के साथ किया जा रहा दुर्व्यवहार

प्रदेश के तीन बड़े संस्थानों में रैगिंग की शिकायत पर यूजीसी ने थमाया नोटिस

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में रैगिंग के मामलों ने चिंता बढ़ा दी है। एक ही दिन में सोमवार को तीन बड़े शहरों से शिकायतें दर्ज हुई हैं। इनमें भोपाल स्थित बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय (बीयू), ग्वालियर का लक्ष्मीबाई नेशनल इंस्टीट्यूट आफ फिजिकल एजुकेशन और इंदौर का इंडेक्स मेडिकल कालेज हास्पिटल एंड रिसर्च सेंटर शामिल हैं।

बीयू के जवाहर छात्रावास में जूनियर छात्र का उत्पीड़न

बीयू के जवाहर छात्रावास में रहने वाले एक जूनियर छात्र ने रैगिंग की शिकायत दर्ज कराई है। छात्र का आरोप है कि दो सीनियर विद्यार्थी उससे जबरन कूलर में पानी भरवाते हैं और बार-बार पीने का पानी लाने के लिए कहते हैं। उसने यह भी आरोप लगाया कि गर्मी में कूलर में जल्दी-जल्दी पानी खत्म हो जाता है तो रात में भी उठाकर पानी भरवाते हैं। इसके अलावा, सीनियर अपने प्रोजेक्ट से जुड़े काम भी उससे करवाते हैं। यहां तक कि पूरा प्रोजेक्ट तैयार करवाते हैं। लगातार हो रहे इस दुर्व्यवहार से परेशान होकर छात्र ने यूजीसी एंटी रैगिंग हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई। छात्र ने सीनियर विद्यार्थियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

संस्थानों में अनुशासन और सुरक्षा पर उठे सवाल

बता दें, कि प्रदेश में पहले भी रैगिंग के मामले सामने आते रहे हैं, लेकिन एक ही दिन में तीन बड़े शहरों से शिकायतें दर्ज होना गंभीर स्थिति को दर्शाता है। यह घटनाएं छात्रों की सुरक्षा और संस्थानों में अनुशासन पर सवाल खड़े कर रही हैं।

यूजीसी एंटी रैगिंग हेल्पलाइन का बीयू को नोटिस

बीयू को एंटी रैगिंग हेल्पलाइन ने भेजा नोटिस। शिकायत मिलने के बाद यूजीसी एंटी रैगिंग हेल्पलाइन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन को ई-मेल के माध्यम से सूचना भेजी है। विश्वविद्यालय को निर्देश दिए गए हैं कि मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की जाए। बीयू का प्रॉक्टोरियल बोर्ड इस मामले में मंगलवार को विद्यार्थियों से पूछताछ करेगा।

सिंहस्थ और त्योहारों के लिए रेलवे की बड़ी तैयारी

भोपाल स्टेशन पर दस हजार वर्गमीटर में पक्का होल्डिंग एरिया बनेगा, 3000 यात्री रुक सकेंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

बड़े आयोजन, त्योहार और पीक सीजन पर क्राउड मैनेजमेंट के लिए रेलवे ने बड़ी तैयारी की है। अभी तक यात्रियों की संख्या बढ़ने पर प्लेटफॉर्म के बाहर अस्थायी टेंट या पंडाल लगाकर इंतजाम किए जाते हैं। अब रेलवे स्थायी समाधान की ओर बढ़ रहा है।

नए प्लान के तहत प्लेटफार्म नंबर 6 की ओर रेन बसेरा के नजदीक 8-10 हजार वर्गमीटर क्षेत्र में पक्का होल्डिंग एरिया बनाया जाएगा। इसमें 2000-3000 से अधिक यात्रियों के बैठने की क्षमता होगी। खासतौर पर सिंहस्थ के चलते भी ये कदम उठाया जा रहा है।

ये सुविधाएं - यात्रियों के बैठने के लिए कुर्सियां। ट्रेन की जानकारी देने के लिए एलईडी स्क्रीन।

सिंहस्थ के अलावा भी उपयोगी: भोपाल में हर साल तबलीगी आलमी इज्तिमा होता है, जिसमें 10 लाख से ज्यादा लोग जुटते हैं। सीहोर स्थित कुबेरेश्वर धाम में साल में दो बार भव्य आयोजन होते हैं, जिनमें देशभर से लाखों लोग आते हैं। छठ-दिवाली, होली जैसे त्योहारों पर यात्रियों की संख्या काफी बढ़ने से अफरातफरी के हालात बनते हैं।

आरकेएमपी-अगरतला, जबलपुर-बांद्रा सहित छह स्पेशल ट्रेनें नियमित

लंबे समय से स्पेशल के रूप में चल रही 6 ट्रेनों को अब रेलवे नियमित एक्सप्रेस श्रेणी में बदलने की तैयारी कर रहा है। यह फैसला लागू होता है, तो स्पेशल ट्रेनों में लगने वाला अतिरिक्त चार्ज खत्म हो जाएगा और किराए में 10 से 150 रुपए तक की कमी आ सकती है।

रेलवे जोन की करीब 6 ट्रेनों को जुलाई तक नियमित करने का प्रस्ताव भेजा गया है। इनमें भोपाल से होकर जाने वाली आरकेएमपी-अगरतला और जबलपुर-बांद्रा भी शामिल हैं। इसका सीधा फायदा रोज यात्रा करने वाले नौकरीपेशा लोगों और छात्रों को मिलेगा। ट्रेनों का संचालन भी ज्यादा व्यवस्थित हो सकेगा। अभी स्पेशल ट्रेनों का शेड्यूल कई बार बदलता रहता है। पश्चिम मध्य रेलवे जोन के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हर्षित श्रीवास्तव ने बताया कि स्पेशल ट्रेनों को नियमित करने की दिशा में काम चल रहा है।

बीना-इटारसी रूट पर 150 फीसदी लोड

भोपाल से बीना और इटारसी के बीच 280 किमी का रेलवे ट्रैक देश के सबसे व्यस्त रूट्स में है। यहां क्षमता से करीब 50 फीसदी ज्यादा यानी 150 फीसदी लोड पर ट्रैफिक चल रहा है। रोजाना करीब 260 यात्री और 150 से ज्यादा मालगाड़ियां गुजरती हैं। इससे ट्रेनों की लेट-लतीफी और सिग्नल पर रुकावट बढ़ रही है। समस्या को देखते हुए रेलवे ने चौथी लाइन बिछाने की तैयारी शुरू की है। टेंडर प्रक्रिया जारी है और प्रोजेक्ट को तीन साल में पूरा करने का लक्ष्य है, लेकिन इसके बाद भी दबाव बना रहेगा।

45 लाख चेहरों पर मुस्कान बिखेर रहा जीव सेवा संस्थान

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

कहते हैं कि मानव सेवा ही ईश्वर सेवा है, लेकिन इस मंत्र को धरातल पर उतारना एक कठिन तपस्या है। इस तपस्या को पिछले तीन दशकों से निरंतर जी रहा है जीव सेवा संस्थान। वर्ष 1994 में संत हिरदाराम साहिबजी की प्रेरणा से सेवा कार्यों का आगाज किया गया था। यह सफर सिद्धभाऊजी की देखरेख में एक वटवृक्ष बन चुका है।

संस्थान की यात्रा केवल आंकड़ों की कहानी नहीं, बल्कि उन 45 लाख से अधिक जरूरतमंद लोगों की दुआओं का संग्रह है, जिनके जीवन के अंधेरे को जेएसएस ने आशा की किरण से भरा है। शिक्षा और सामाजिक सरोकार के हर मोर्चे पर संस्थान ने यह सिद्ध किया है कि यदि संकल्प नेक हो, तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं। जीव सेवा संस्थान का कार्यक्षेत्र इतना व्यापक है कि जन्म से लेकर जीवन की अंतिम यात्रा तक यह समाज के साथ खड़ा नजर आता है। केवल इस वर्ष 279 स्कूली और 304 उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों के सपनों को संस्थान ने आर्थिक संबल दिया। स्वास्थ्य के क्षेत्र में संस्थान एक लाइफलाइन की तरह उभरा है। कैंसर, थैलेसीमिया और किडनी ट्रांसप्लांट जैसी महंगी सर्जरी अब गरीबों की पहुंच से दूर नहीं रही। 110 निर्धन कन्याओं के विवाह में सहायता और 315 विधवाओं को मासिक आर्थिक मदद देकर संस्थान ने उन्हें समाज में सिर उठाकर जीने का हौसला दिया है। बीते वित्तीय वर्ष की रिपोर्ट बताती है कि संस्थान ने अपनी सक्रियता और बढ़ा दी है। भीषण ठंड में 1798 जरूरतमंदों को कंबल वितरित करना हो या 842 परिवारों के चूल्हे जलते रहें, इसके लिए उन्हें प्रतिमाह राशन उपलब्ध कराना। इस वर्ष गंभीर रोगों से लड़ रहे 31 मरीजों को दी गई विशेष सहायता रही। इनमें 13 किडनी रोगी, 6 पैरालिसिस, 4 थैलेसीमिया और 7 हृदय रोगियों के लिए संस्थान की मदद की। संस्थान ने केवल व्यक्तिगत सहायता तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि समाज के बुनियादी ढांचे को सुधारने में भी शासन का साथ दिया है। सरकारी स्कूलों और अस्पतालों में महिला वार्डों का निर्माण, शौचालय और पेयजल की व्यवस्था इसकी सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति संवेदनशीलता को दर्शाती है।

प्रदेश में मौसम पर हाईटेक नजर, लगाए जाएंगे स्मार्ट सेंसर

अब पंचायत तक को हर15 मिनट में मिलेगी बारिश, तापमान और हवा की जानकारी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश में मौसम की सटीक जानकारी और खेती-किसानी को मजबूत बनाने के लिए सरकार अब तकनीक का सहारा लेने जा रही है। प्रदेश की सभी 23,634 ग्राम पंचायतों और 444 तहसीलों में अत्याधुनिक विंड सिस्टम के तहत ऑटोमैटिक रेन गेज और वेदर स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। इस योजना के लागू होते ही गांव स्तर तक मौसम की रियल-टाइम निगरानी संभव हो सकेगी और हर 15 मिनट में बारिश, तापमान, नमी और हवा की गति से जुड़े आंकड़े सीधे सरकारी पोर्टल पर अपडेट हो जाएंगे। जिसकी जानकारी किसानों को हो सकेगी। इस योजना से काफी सुविधा होगी।

परियोजना की लागत 120 करोड़ तक है: इस परियोजना की अनुमानित लागत 100 से 120 करोड़ रुपए के बीच है, जिसमें केंद्र सरकार 50 प्रतिशत राशि वायबिलिटी गैप फंडिंग के रूप में देगी, जबकि शेष खर्च राज्य सरकार और चयनित एजेंसियां वहन करेंगी। पंचायत स्तर पर लगाए जाने वाले रेन गेज की लागत लगभग 35 से 40 हजार रुपए और तहसील स्तर के वेदर स्टेशन की लागत 1.5 से 2 लाख रुपए तक आंकी गई है। सभी जगहों पर सेंसर लग जाने से काफी सुविधाएं मिलेंगी। इस योजना का सबसे बड़ा लाभ किसानों को मिलेगा, जिन्हें अपने क्षेत्र के अनुसार सटीक मौसम सलाह मिल सकेगी। इससे वे बुवाई, सिंचाई और फसल प्रबंधन के सही समय का निर्णय ले सकेंगे। साथ ही, फसल बीमा के दावों के निपटान में भी तेजी आएगी और विवाद कम होंगे। इसके अलावा, आम लोगों को भी आकाशीय बिजली, भारी बारिश या बाढ़ जैसी संभावित आपदाओं की समय पर चेतावनी मिल सकेगी, जिससे जान-माल के नुकसान को कम किया जा सकेगा। मौसम से जुड़ी जानकारी जिला या ब्लॉक स्तर तक सीमित रहती थी, जिससे स्थानीय परिस्थितियों का सटीक आकलन नहीं हो पाता था। कई बार एक ही इलाके में कहीं ज्यादा बारिश होती है तो कहीं सूखा बना रहता है, लेकिन इस अंतर का सही रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं हो पाता।

नि:शुल्क सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मीना युवा संगठन निरंतर तीन वर्ष से अक्षय तृतीया पर सर्व जातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन करता आ रहा है। इस वर्ष 20 जोड़ो का विवाह सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमे संगठन के प्रदेश अध्यक्ष मनफूल मीना के भतीजे रितिक मीना का भी विवाह हुआ। गौरतलब है कि संगठन फिजूल खर्ची के खिलाफ अभियान चला रहा है जिसमे लगन, फलदान भी सीमित करने के लिए प्रेरित किया जाता है। सम्मलेन में वधु को 21000 हजार रूपए कि राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर कथा वाचक अतुल जी महाराज, वरिष्ठ समाज सेवी मोहन मीना, जय सिह मारन, सचिन मारन आदि मौजूद रहे।

सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय में 30 अप्रैल तक नि:शुल्क ओपीडी

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय में 21 से 30 अप्रैल 2026 तक सभी सामान्य नेत्र रोगियों के लिये दृष्टि अथवा नेत्र रोग जांच के लिये ओपीडी शुल्क नहीं देना पड़ेगा। आसाराम बापू चौराहा, एयरपोर्ट रोड, गांधीनगर पर नवनिर्मित सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय सोमवार से शनिवार तक प्रातः 9 से रात्रि 8 बजे तक मरीजों के लिए खुला रहता है। इसी प्रकार अस्पताल में रविवार के दिन प्रातः 10 से संध्या 4:30 बजे तक नेत्र सुरक्षा सेवाएं सुलभ रहती हैं।

मेट्रो एंकर | छह रेलकर्मियों ने संभावित ट्रेन हादसे को रोका था

डीआरएम ने संरक्षा में उत्कृष्ट कार्य के लिए किया सम्मान

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल में संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मंडल रेल प्रबंधक पंकज त्यागी ने सतर्कता, सूझबूझ एवं त्वरित कार्रवाई से संभावित दुर्घटनाओं को टालने वाले 06 रेलकर्मियों को संरक्षा पुरस्कार से सम्मानित किया।

डीआरएम त्यागी ने कहा कि मंडल के विभिन्न सेक्शनों में कार्यरत कर्मचारियों ने समय रहते तकनीकी खामियों एवं असामान्य परिस्थितियों की पहचान कर न केवल रेल संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित की, बल्कि यात्रियों की जान-माल की रक्षा में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके लिए वे बधाई के पात्र है।

इस मौके पर सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया समेत अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

इनको मिला सम्मान: गुना के लोको पायलट शिवचरण मीना एवं सहायक लोको पायलट संदीप मीना ने 02 मार्च को गुना-मक्सी सेक्शन में मालगाड़ी संचालन के दौरान गोलाई में ब्रेक बाइंडिंग/धुआं निकलने की असामान्यता को पहचानते हुए तत्काल ट्रेन रोकी और बुझाई। गुलाबगंज के प्वान्ट्समेन सोनू कुशवाहा ने 17 मार्च को गुलाबगंज स्टेशन पर मालगाड़ी के संचालन के दौरान कोच में तकनीकी खराबी का पता लगाकर उसे समय रहते ठीक किया गया। पीलीघटा उप स्टेशन प्रबंधक रमेश कश्यप ने 19 मार्च को पिलिघटा स्टेशन (बीना-गुना सेक्शन) पर ट्रेन संख्या 20481 हमसफर एक्सप्रेस के पासिंग के दौरान स्टेशन स्टॉफ ने ब्रेक बाईन्डिंग असामान्य स्थिति को पहचानकर बड़ी दुर्घटना टाली। पीलीघटा उप स्टेशन प्रबंधक लोकेश मीना ने 22 मार्च को चलती मालगाड़ी में एक्सल की तकनीकी समस्या को सुधार कराया। विदिशा ट्रैकमेन रामबाबू कुशवाहा ने 22 मार्च को मालगाड़ी के ब्रेक ब्लाक में धुआ को समय रहते चिन्हित कर खामी को दूर कर सुरक्षित परिचालन कराया। इटारसी ट्रेन मेनेजर हरी ओम लोवंशी ने 21 मार्च को इटारसी-भोपाल सेक्शन के टिमरनी स्टेशन से ट्रेन संख्या 04151 कानपुर-लोकमान्य तिलक टर्मिनल स्पेशल के पासिंग के दौरान गेटमैन एवं संबंधित स्टाफ ने एक्सल में खराबी आते ही ट्रेन सुरक्षित रूप से नियंत्रित किया गया।

भोपाल में बनेंगे '2 अंडरग्राउंड' मेट्रो स्टेशन, रोज होगी 8 मीटर खुदाई

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मेट्रो रेल की अंडरग्राउंड दौड़ अब धीरे-धीरे तेज हो रही है। मेट्रो रेल कारपोरेशन से जुड़े इंजीनियर्स के अनुसार, अब रोजाना 6 से 8 मीटर तक अंडरग्राउंड खुदाई की तैयारी है। अब तक टनल बोरिंग मशीन ने महज 15 मीटर तक की ही अंडरग्राउंड दौड़ लगाई है। इसे 14 मीटर रोजाना तक लाने की कवायद है, ताकि जून से पहले 60 से 70 फीसदी काम किया जा सके। बारिश के दौरान अंडरग्राउंड लाइन का काम करने में दिक्कत आएगी। इसे नवंबर तक टालना पड़ सकता है। बता दें कि 30 मार्च को टीबीएम को जमीन के अंदर 24 मीटर गहराई में उतारा गया था।

3.36 किमी की अंडरग्राउंड लाइन: मेट्रो प्रोजेक्ट के तहत 3.36 किमी लंबाई की अंडरग्राउंड लाइन बनाना तय है। ऐशबाग से डीआइजी बंगला, सिंधी कॉलोनी तक भोपाल स्टेशन व नादरा बस स्टैंड होते हुए काम होगा। इसे पूरा करने शुरुआत में तीन से चार माह का लक्ष्य तय किया था। इसके लिए तीन मशीनों से काम शुरू करना था, लेकिन अभी एक मशीन ही उतारी गई। दो अन्य उतारनी बाकी है। इस कॉरिडोर में दो अंडरग्राउंड स्टेशन बनाए जा रहे हैं। जिनकी लंबाई करीब 180-180 मीटर होगी। टीबीएम से बनी सुरंग 3.39 किमी तक जाएगी। इसके बाद बड़ा बाग के पास नादरा स्टेशन के आगे 143 मीटर स्लोप के जरिए मेट्रो फिर जमीन के ऊपर आ जाएगी।

डेढ़ माह ही हो पाएगा तेज काम

प्रोजेक्ट से जुड़े इंजीनियर्स के अनुसार, जून से मानसूनी हलचल शुरू होने के बाद गहराई में काम करना कठिन होगा। इस दौरान अन्य काम पूरे किए जाएंगे। टनल का काम फिर अक्टूबर से ही शुरू होगा। यानी तीन माह में पूरा होने वाला काम 8 से 9 माह में पूरा होगा।

इंटीग्रेटेड टाउनशिप पॉलिसी' से जुड़ेंगे 6 जिले, 2510 गांवों को होगा फायदा

भोपाल। मेट्रोपॉलिटन रीजन प्रोजेक्ट का सबसे 'यादा फोकस रोजगार और औद्योगीकरण को बढ़ावा देना है। इसके तहत नर्मदापुरम रोड नया आर्थिक क्षेत्र, एमपी नगर मोबाइल असेंबली इंडस्ट्री, पचमढी-रातापानी में टूरि'म इंडस्ट्री जैसे प्लान शामिल किए जा रहे हैं। नगरीय प्रशासन विभाग ने भोपाल विकास प्राधिकरण को भोपाल सहित विदिशा, सीहोर, रायसेन, नर्मदापुरम एवं राजगढ़ में ऐसे क्षेत्रों को चिन्हित करने का काम सौंपा जहां नए उद्योग स्थापित किए जा सकते हैं। प्रारंभिक सर्वे में भोपाल शहर की नर्मदापुरम रोड पर नए आर्थिक क्षेत्र विकसित करने एवं एमपी नगर में मोबाइल असेंबली इंडस्ट्री बनाने और नर्मदापुरम, रायसेन के पचमढ़ी, रातापानी जैसे पर्यटक स्थलों पर आर्थिक गतिविधियां बढ़ाने के बिंदु को शामिल किया गया है।

फिरोजिया ट्रॉफी विजेताओं के लिये अतिरिक्त पुरस्कार की घोषणा

मुख्यमंत्री ने कहा-मध्यप्रदेश में खेल सुविधाओं का हो रहा है निरंतर विस्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में खेल सुविधाओं का निरंतर विस्तार किया जा रहा है। शासन का प्रयास है कि खिलाड़ियों को हर स्तर पर आधुनिक खेल संरचना, प्रशिक्षण और अन्य आवश्यक संसाधन उपलब्ध हों। शासन के इन प्रयासों से मध्यप्रदेश की खेल प्रतिभाएं विश्व स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। उज्जैन में भी विभिन्न खेल मैदानों में खेल व्यवस्थाओं का आधुनिकीकरण किया जा रहा है। उज्जैन के क्षीर सागर मैदान को भी नगर निगम और खेल विभाग द्वारा विकसित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देर रात उज्जैन में फिरोजिया ट्रॉफी का फाइनल मैच देखा और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने इस अवसर पर फिरोजिया ट्रॉफी की विजेता टीम को रुपए 1 लाख और उप विजेता टीम को 51 हजार रुपए के अतिरिक्त नगद पुरस्कार की घोषणा भी की। फिरोजिया ट्रॉफी का आयोजन 12 अप्रैल से 19 अप्रैल तक उज्जैन के क्षीर सागर मैदान पर किया गया। फाइनल मुकाबले में दोनों टीमों के बीच रोमांचक संघर्ष देखने को मिला, जिससे दर्शक अंत तक मैच का आनंद लेते रहे। सांसद श्री अनिल फिरोजिया ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का फिरोजिया ट्रॉफी में प्रत्येक वर्ष पधारने और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने पर आभार व्यक्त किया। फिरोजिया ट्रॉफी सांसद श्री अनिल फिरोजिया के पिता स्व. भूरेलाल फिरोजिया की स्मृति में विगत 21 वर्षों से हर वर्ष आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार रुपए 5 लाख 51 हजार है और द्वितीय पुरस्कार 2 लाख 51 हजार रुपये है। प्रतियोगिता में इस वर्ष नारी शक्ति वंदन की भावना को साकार करते हुए महिला क्रिकेट मैच और मातृशक्ति सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया।

पानी बचाना हमारी जरूरत भी है और जिम्मेदारी भी : सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में जल संरक्षण को जन-आंदोलन बनाया जा रहा है। पानी बचाना बेहद जरूरी है। यह हमारी सामाजिक जिम्मेदारी भी है, जिससे हमारी आने वाली पीढ़ियां प्रकृति के इस अनमोल वरदान से कभी भी कमी महसूस नहीं करें। इसके लिए हमें अपने वर्तमान जल स्रोतों के साथ सूख चुके जल स्रोतों को संरक्षित करना ही होगा। उन्होंने कहा कि पानी बचाने के लिए प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। सरकार और समाज के साझा प्रयासों से हो रहे इस अभियान में बीते एक माह में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के सभी नागरिकों से इस अभियान में सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया है। प्रदेश में संचालित 'जल गंगा संवर्धन अभियान' ने अल्प समय में ही उल्लेखनीय प्रगति दर्ज की है। विगत 19 मार्च 2026 से प्रारंभ हुआ यह अभियान जल संरक्षण, जल संरचनाओं के संवर्धन और जनभागीदारी का एक व्यापक जन-आंदोलन बनता जा रहा है। इस अभियान के प्रभाव से ही मध्यप्रदेश राष्ट्रीय स्तर पर अपनी रैंकिंग सुधारकर अब तीसरे स्थान पर आ गया है। अभियान से पहले मध्यप्रदेश नेशनल रैंकिंग में छठवें स्थान पर था। राज्य सरकार द्वारा आगामी 30 जून तक चलाए जा रहे इस अभियान में 16 विभागों की 58 गतिविधियां नियत की गई हैं। इसके लिए लगभग 6 हजार 278 करोड़ रुपये का वित्तीय लक्ष्य तय किया गया है।

अभियान की मॉनिटरिंग एकीकृत डैश बोर्ड से

आयुक्त, मनरेगा ने बताया कि अभियान की एक ही प्लेटफार्म पर नियमित मॉनिटरिंग के लिए एक एकीकृत डैश बोर्ड तैयार किया गया है, जिससे सभी विभाग अपनी-अपनी विभागीय गतिविधियों की प्रगति दर्ज कर रहे हैं। इस डैश बोर्ड से जिलेवार रैंकिंग भी सुनिश्चित की जा रही है। इस डैश बोर्ड से प्रशासनिक एवं विभागीय पारदर्शिता और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को भी बढ़ावा मिल रहा है।

राज्यपाल से मिले भारतीय वन सेवा के प्रशिक्षु अधिकारी

प्रकृति और स्थानीय जीवन भविष्य के लिए जिम्मेदारी : राज्यपाल

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि भारतीय वन सेवा, महज प्रशासनिक दायित्व नहीं बल्कि मानवता, प्रकृति, वन्य जीव, सांस्कृतिक धरोहर और भावी पीढ़ियों के प्रति भी एक उत्तरदायित्व है। आप सभी सौभाग्यशाली है, जिन्हें जीवन भर प्रकृति की गोद में रहकर उसके संरक्षण और संवर्धन का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षु अधिकारी, वन कानूनों और जनजातीय कल्याण के प्रावधानों का गहनता से अध्ययन करें, उन्हें समझे और स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप लागू करें। प्रशिक्षण की सीख को प्रकृति, वन, वन्य जीव और स्थानीय जन जीवन की बेहतरी में उपयोग करें। उनके कल्याण प्रयासों में ही आपकी सेवा की सार्थकता है। यह याद रखें कि आपका आत्मीय व्यवहार, वंचितों के प्रति समानुभूति और संवेदनशीलता ही आपकी सफलता का अंतिम पैमाना होगी। राज्यपाल पटेल सोमवार को भारतीय वन सेवा के 2024-26 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों के सौजन्य भेंट कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने सभी प्रशिक्षु अधिकारियों को अखिल भारतीय सेवा में चयन की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। लोकभवन के बैंक्वेट हॉल में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी भी मौजूद थे।

पर्यावरण संरक्षण के लिए सोच, संकल्प और सेवा भाव जरूरी: राज्यपाल पटेल ने कहा कि प्राकृतिक असंतुलन, पर्यावरणीय चुनौतियों आदि के कारण वन एवं वन्य जीवन के संकट का समाधान अत्यंत जरूरी है। वन अधिकारी के रूप में पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन आपका प्राथमिक दायित्व है। इसके लिए आपकी सोच, संकल्प और सेवा का भाव सबसे जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्थानीय लोगों के साथ हमेशा आत्मीय, सरल और सहज व्यवहार करें।

एमपी में तीन पुलिस अफसरों पर कार्रवाई, बैठक में पान खाने, हंसी-ठिठोली करनेवाले को भी किया सस्पेंड

भोपाल। एमपी में जनता की शिकायतों को दूर करने और समस्याओं के निराकरण के लिए सीएम हेल्पलाइन चलाई जा रही है लेकिन प्रायः अधिकारी, कर्मचारी इसे गंभीरता से नहीं लेते। यही कारण है कि इसमें लंबित प्रकरणों की संख्या में लगातार इजाफा होता जा रहा है। सीएम मोहन यादव खुद इसपर नाराजगी जता चुके हैं।

सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों और थाना क्षेत्रों में गंभीर अपराधों पर चर्चा करने बालाघाट एसपी ने वीसी ली तो कई अधिकारी ही अनुशासनहीनता करते दिखाई दिए। समीक्षा के दौरान एक एएसआई तो पान चबाता रहा जबकि एक अन्य हंसी-ठिठोली करता दिखा। इसपर सख्त कदम उठाते हुए एसपी ने तीन अधिकारियों को लाइन अटैच कर दिया जबकि एएसआई को निलंबित कर दिया है। एसपी के इस कड़े एक्शन से जिलेभर के पुलिस हल्कों में खलबली मच गई है। बालाघाट एसपी आदित्य मिश्रा ने अपराधों को लेकर जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई है। इसको लेकर वे बेहद एक्टिव हैं। 17 अप्रैल को एसपी आदित्य मिश्रा ने सीएम हेल्पलाइन में जिले में अपराधों से संबंधित लंबित शिकायतों को लेकर पुलिस अधिकारियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग की।

भोपाल में लेंसकार्ट का विरोध

हिंदू संगठनों ने कर्मचारियों को बांधा कलावा; ड्रेस कोड को लेकर कथित गाइडलाइन पर बढ़ा विवाद

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल के न्यू मार्केट रोशनपुरा में ड्रेस कोड विवाद ने तूल पकड़ लिया है। लेंसकार्ट शोरूम के बाहर मंगलवार को हिंदू उत्सव समिति के कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रहे है। कार्यकर्ताओं ने यहां कर्मचारियों को तिलक लगाया और मंत्रोच्चार के साथ कलावा बांधा।

हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने कहा कि संगठन लेंसकार्ट के खिलाफ बहिष्कार का आह्वान कर रहा है। उनका कहना था कि 'यह हिंदुस्तान है, यहां तिलक, कलावा और बिंदी का सम्मान होना चाहिए। अगर कंपनी ने इन पर रोक लगाने का प्रयास किया तो इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।' उन्होंने कॉरपोरेट जगत को चेतावनी देते हुए कहा कि भविष्य में सनातन धर्म के प्रतीकों का अपमान करने पर कड़ा विरोध होगा। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही कंपनी के ष्टश्वह्र ने माफी मांगी हो, लेकिन संगठन इसे स्वीकार नहीं करता। उनके मुताबिक, 'अगर हमने कंपनी को ऊंचाइयों तक पहुंचाया है तो जरूरत पड़ी तो धरातल पर लाने का काम भी करेंगे।

कर्मचारियों ने कहा- हमें नहीं रोका गया

प्रदर्शन के दौरान शोरूम के कर्मचारी मनीष भमारे से बातचीत की गई। उन्होंने बताया कि उन्हें कभी तिलक या कलावा पहनने से नहीं रोका गया। मनीष ने कहा, 'नवरात्रि के दौरान मैं खुद तिलक और कलावा बांधकर आया था। कंपनी की तरफ से ऐसी कोई रोक मुझे नहीं बताई गई।' जब उनसे पूछा गया कि बाहर चल रहे प्रदर्शन से डर लग रहा है या नहीं, तो उन्होंने साफ कहा कि उन्हें किसी तरह का डर नहीं है। 'जो भी सोशल मीडिया पर मुहिम चल रही है, वह लोगों के हित में हो सकती है, लेकिन हमें व्यक्तिगत तौर पर कोई दिक्कत नहीं हुई।

सोशल मीडिया पर उठा सवाल: एक्टिविस्ट शेफाली वैद्य ने X पर इसका स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए कंपनी के फाउंडर पीयूष बंसल से सवाल किया कि हिजाब की अनुमति है, लेकिन बिंदी और कलावा क्यों नहीं। इसके बाद सोशल मीडिया पर कंपनी को लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई।

एक सप्ताह में 2 करोड़ 29 लाख से अधिक के मादक पदार्थ एवं वाहन जब्त

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेशभर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी, भंडारण एवं बिक्री के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही हैं। इसी कार्यवाही के दौरान विभि‍?न जिलों की पुलिस टीमों ने विगत एक स‍?ताह में 2 करोड़ 29 लाख रूपए के मादक पदार्थ व तस्करी में प्रयुक्त वाहन जब्त करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया है। नीमच में पुलिस थाना जीरन ने एक ट्रक में परिवहन किया जा रहा 06 क्विंटल 10 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा जब्त कर लगभग 1 करोड़ रूपए से अधिक का डोडाचूरा एवं ट्रक जब्त किया है। वहीं मंदसौर में पुलिस थाना नाहरगढ़ ने अवैध मादक पदार्थ के विरूद्ध कार्रवाई कर 01 क्विंटल डोडाचूरा सहित 28 लाख रूपए की संपत्ति जब्त की है।

अब तक 2938 स्थानों पर हुई जांच 4547 गैस सिलेंडर किये जब्त

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि प्रदेश में आवश्यक वस्तु अधिनियम के अन्तर्गत एलपीजी की कालाबाजारी रोकने के लिये निरंतर कार्यवाही की जा रही है, अभी तक 2938 स्थानों पर जांच की गई, 4547 एलपीजी सिलेण्डर जब्त किये गए तथा 12 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज कराई गई। प्रदेश के 765 रिटेल आउटलेट (पेट्रोल पंप) की जांच कराई गई है। इसमें 2 प्रकरण में एफ.आई.आर. दर्ज कराई गई है। प्रदेश के समस्त जिला आपूर्ति नियंत्रक/अधिकारी एवं ऑयल कंपनी के अधिकारियों को सतत् रूप से पेट्रोल पंपों की जांच करने के निर्देश दिये गये हैं। प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में पेट्रोलियम पदार्थ उपलब्ध है।

मंत्री राजपूत ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि पीएनजी पाइपलाइन जिन क्षेत्रों में बिछ चुकी है, उस क्षेत्र के उपभोक्ता पीएनजी कनेक्शन जरूर लें।

इससे उन्हें गैस सिलेंडर लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। गैस की सतत आपूर्ति होगी। उपभोक्ताओं से आग्रह है कि किसी तरह का भ्रम नहीं पालें। पीएनजी पूरी तरह से सुरक्षित है।

भारत में कच्चे तेल (Crude Oil) का पर्याप्त भण्डार है, देश एवं प्रदेश की सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता के साथ काम कर रही हैं, जिससे पेट्रोलियम पदार्थों की निरंतर सप्लाई हो सके एवं सप्लाई में कोई रुकावट न आए। मध्यप्रदेश और पूरे देश में एलपीजी (LPG) पेट्रोल, डीजल, पीएनजी एवं सीएनजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है।

मंत्री राजपूत ने भारत सरकार द्वारा निर्धारित 70% सीमा के अधीन संस्थाओं एवं प्रतिष्ठानों को तय किये गये प्राथमिकता क्रम अनुसार सप्लाई निरंतर जारी रखने के निर्देश दिये हैं। यह भी ध्यान रखा जाये कि सड़क पर कारोबार कर रहे छोटे व्यवसायी (स्ट्रीट वेण्डर) को भी उक्त अनुसार कमर्शियल सिलेण्डर प्रदाय किये जायें। ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सभी प्लांट अतिरिक्त समय (E&tended Hours) तक काम कर रहे हैं। प्रदेश के जिलों में स्थित बॉटलिंग प्लांट तथा वितरकों के पास उपलब्धता एवं प्रदाय की सतत् रूप से समीक्षा की जा रही है।

मेट्रो एंकर | भोपाल, जबलपुर और कोटा डिवीजन को यात्रियों मिलेगा अधिक लाभ

रेलवे ने 15 समर स्पेशल ट्रेनों को दी मंजूरी...

भोपाल, दोपहर मेट्रो

गर्मियों के मौसम में बढ़ने वाली यात्रियों की भीड़ को देखते हुए पश्चिम मध्य रेलवे ने इस बार पहले से व्यापक तैयारी की है। 15 अप्रैल से 15 जुलाई तक चलने वाले समर स्पेशल ट्रेनों के प्लान के तहत यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा मिलेगी। रेलवे का उद्देश्य भीड़ को नियंत्रित करना और लंबी दूरी की यात्रा को अधिक सुगम बनाना है।

रेलवे द्वारा तैयार योजना के अनुसार कुल 15 समर स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी, जिनके जरिए 288 ट्रिप्स संचालित होंगे। इनमें से पांच ट्रेनों को पहले ही मंजूरी मिल चुकी है, जबकि 10 नई ट्रेनों का प्रस्ताव रेलवे बोर्ड को भेजा गया है। इस योजना का सबसे अधिक लाभ भोपाल, जबलपुर और कोटा डिवीजन के यात्रियों को मिलेगा। इन शहरों से देश के प्रमुख महानगरों और पर्यटन स्थलों के लिए सीधी कनेक्टिविटी बेहतर होगी। दक्षिण भारत के मैसूर और कोयंबटूर जैसे शहरों के लिए सीधी ट्रेन सुविधा मिलने से यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, इस व्यवस्था से प्रतिदिन करीब पांच से सात हजार यात्रियों को लाभ मिलेगा। गर्मियों में उत्तर भारत से महाराष्ट्र, दक्षिण भारत और पूर्वोत्तर क्षेत्रों की ओर जाने वाले यात्रियों की संख्या अधिक रहती है, जिसे ध्यान में रखते हुए यह योजना बनाई गई है। रेलवे ने 10 नई समर स्पेशल ट्रेनों का प्रस्ताव भी तैयार किया है, जिनके जरिए 158 अतिरिक्त ट्रिप्स संचालित करने की योजना है। इनमें रानी कमलापति से मैसूर, जबलपुर से येलहंका और कोटा से मथुरा व धनबाद के लिए ट्रेनें शामिल हैं। कुछ ट्रेनें साप्ताहिक होंगी।

यात्रा होगी आसान और सुविधाजनक

रेलवे का मानना है कि इन अतिरिक्त ट्रेनों से यात्रियों को कन्फर्म टिकट मिलने में आसानी होगी और वेटिंग की समस्या कम होगी। इससे सफर अधिक आरामदायक और व्यवस्थित बन सकेगा।

बड़ी छलांग की होगी कोशिश

इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, भारत अब दुनिया की पांचवीं नहीं बल्कि छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। यह बदलाव मुख्य रूप से डॉलर में मापे जाने वाले जीडीपी के आधार पर हुआ है। हालांकि, इस गिरावट को भारत की आर्थिक कमजोरी के तौर पर नहीं देखा जा रहा है। जानकारों के अनुसार, यह बदलाव असल आर्थिक प्रदर्शन से ज्यादा करेंसी की वजह से हुआ है। साल 2025 में भारत की जीडीपी 3.92 ट्रिलियन डॉलर रही, जो ब्रिटेन से थोड़ी पीछे है। रैंकिंग में आई एक पायदान की गिरावट के बाद आईएमएफ का प्रोजेक्शन बताता है कि यह झटका अस्थायी है। अनुमान के अनुसार भारत 2031 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। यानी अगले कुछ सालों में भारत की आर्थिक कोशिशें सिर्फ रिकवरी की नहीं, बल्कि एक बड़ी छलांग लगाने की होगी।

आंकड़ों के अनुसार, भारत की रैंकिंग गिरने के पीछे सबसे बड़ी वजह भारतीय रुपये की कमजोरी है। जब किसी देश की अर्थव्यवस्था को अमेरिकी डॉलर में मापा जाता है, तो मुद्रा का उतार-चढ़ाव सीधे जीडीपी के आकार को प्रभावित करता है। यानी भारत की अर्थव्यवस्था घरेलू स्तर पर बढ़ रही है, लेकिन रुपये के कमजोर होने से डॉलर में उसका मूल्य थोड़ा कम दिखाई देता है, जिससे रैंकिंग प्रभावित हुई है। इसके अलावा, जीडीपी की गणना के बेस ईयर में बदलाव जैसे तकनीकी कारणों ने भी इस स्थिति को प्रभावित किया है। सबसे अहम बात यह है कि भारत अब भी दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है, जहां ग्रोथ करीब 6.5% के आसपास बनी हुई है। अर्थव्यवस्था के जानकार मानते हैं कि यह गिरावट स्थायी नहीं है। इसके पीछे कोई आर्थिक कमजोरी नहीं, बल्कि डेटा और करेंसी से जुड़े बदलाव हैं। भारत की वास्तविक आर्थिक स्थिति अब भी मजबूत बनी हुई है, खासतौर पर तेज विकास दर, बढ़ती खपत और इंफ्रास्ट्रक्चर निवेश इसकी बड़ी ताकत हैं।

सत्ता में महिलाओं की भागीदारी को लेकर छिड़ी बहस, दुनिया के आठ देश सबसे आगे

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
स्तंभकार

संसद में महिलाओं के 33 फीसदी आरक्षण का विधेयक गिरने के साथ ही देश में सत्ता में महिलाओं की भागीदारी को लेकर नई बहस छिड़ गई है। जहां एक और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्र के नाम संदेश के माध्यम से महिलाओं से माफी मांगी है तो दूसरी और विपक्ष ने इसे अपनी बड़ी जीत और सरकार की हार बताई है। हालांकि विपक्ष यह भी कह रहा है कि उनका विरोध सीटों के परिसीमन से अधिक है। खैर, यह अलग बहस का विषय हो सकता है। पर एक बात साफ हो जानी चाहिए कि सत्ता में महिलाओं की हिस्सेदारी के मामले में हम दुनिया के देशों से अभी काफी पीछे चल रहे हैं। दुनिया के 190 देशों के आंकड़ों का विश्लेषण करें तो हमारे देश का स्थान 147 वां आता है। दुनिया के देशों में सत्ता में महिलाओं की भागीदारी की बात करें तो वैश्विक स्तर औसत 27.5 फीसदी है। 30 राष्ट्राध्यक्ष महिलाएं है तो दुनिया के केवल आठ देश ही ऐसे हैं जहां महिलाओं की भागीदारी 50 फीसदी से अधिक है। रवांडा, क्यूबा, निकारागुआ, कोस्टारिका, बोलिविया, मैक्सिको, एंडोरा और संयुक्त अरब अमीरात में 50 प्रतिशत से अधिक भागीदारी है। न्यूजीलैंड, डेनमार्क और आइसलैंड 45 से 50 प्रतिशत महिलाओं का प्रतिनिधित्व है। आज हम महिलाओं की 33 प्रतिशत भागीदारी की बात कर रहे हैं वहीं इस समय दुनिया के 56 देश ऐसे हैं जहां सत्ता में महिलाओं का 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व है।

एक मोटे अनुमान के अनुसार हालिया चुनाव में 14 राज्यों में महिलाओं की निर्णायक भूमिका रही है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी 19 राज्यों केन्द्र शासित प्रदेशों में महिलाओं ने निर्णायक भूमिका निभाई। इसके साथ ही पिछले कुछ सालों के चुनाव परिणामों का विश्लेषण करें तो यह भी साफ हो जाता है कि लगभग सभी पार्टियों ने महिलाओं को केन्द्र में रखकर चुनाव घोषणा पत्र बनाये और महिलाओं को किसी भी नाम से योजना रखते हुए एक निश्चित राशि देने की बात प्रमुखता से की। बिहार, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश या अन्य प्रदेशों में लखपति दीदी या इसी तरह के नाम से मिलती जुलती योजनाओं में राशि उपलब्ध कराने की रणनीति महिला वोटों को अपनी और करने की रही है, यह दूसरी बात है कि इसका लाभ किस पार्टी को अधिक मिला। एक बात साफ हो जानी चाहिए राजनीतिक पार्टियां कहने को कुछ भी कहें पर विधानसभा और संसद में महिलाओं की भागीदारी अभी तक बढ़ नहीं पाई है।

महिला प्रतिनिधित्व का वैश्विक औसत जहां 27.5 प्रतिशत है वहीं हमारे देश में अभी तक यह 14-15 प्रतिशत तक पहुंच पाया है। रोचक बात यह है कि 2009 की 15 वीं लोकसभा के पहले तक तो हमारे देश में लोकसभा में महिलाओं का प्रतिनिधित्व दहाई की संख्या में भी नहीं पहुंचा था। 15 वीं लोकसभा में पहली बार 10.9 प्रतिशत प्रतिनिधित्व हो सका। हालांकि 1977 में आपातकाल के ठीक बाद की लोकसभा में सबसे कम भागीदारी केवल 3.5 प्रतिशत ही रह गई थी। पर 1977 के हालात अलग थे और उनको अलग करके देखा जाना चाहिए। उस समय आपातकाल के बाद की स्थितियां थीं। 18 वीं लोकसभा में 17 वीं लोकसभा की तुलना में 3 महिला सांसद कम है। इस तरह से 17वीं लोकसभा में महिलाओं की सर्वाधिक 14.4 प्रतिशत भागीदारी रही।

जहां तक राजनीतिक दलों की बात है तो भले ही महिला आरक्षण बिल का अपनी राजनीतिक प्रतिबद्धता के कारण कांग्रेस व अन्य विपक्षियों के साथ तृणमूल कांग्रेस ने भी विपक्ष में मतदान किया पर लोकसभा और राज्यसभा में टीएमसी की महिलाओं की हिस्सेदारी अधिक है। जहां तक कांग्रेस का प्रश्न है तो कांग्रेस की भागीदारी 14.3 प्रतिशत और बीजेपी की भागीदारी 12.9 प्रतिशत है। अन्य दलों की भी कमोबेश यही स्थिति है। जहां तक राज्यों का प्रश्न है तो इस समय देश में सर्वाधिक महिला सदस्य छत्तीसगढ़ विधानसभा में है। छत्तीसगढ़ में कुल सदस्यों में 21.1 प्रतिशत महिला सदस्य है। त्रिपुरा में 15 प्रतिशत महिला सदस्य हैं। बाकी देश के अन्य राज्यों में 15 प्रतिशत महिलाएं भी विधानसभा की सदस्य नहीं है। नागालैंड देश का ऐसा प्रदेश है जहां सबसे कम महिला सदस्य हैं। कर्नाटक जैसे राज्य में भी पांच प्रतिशत से कम महिला विधानसभा सदस्य हैं।

खैर इससे यह तस्वीर साफ हो जानी चाहिए कि जब तक संवैधानिक बाध्यता नहीं होगी तब तक महिलाओं की भागीदारी लाख प्रयासों के बावजूद नहीं बढ़ने वाली है। इसके लिए एक सीमा तक सीटों का आरक्षण करना ही होगा। इसका जीता जागता उदाहरण पंचायतीराज व स्थानीय स्वशासन संस्थाएं है। जहां महिलाओं की सीटे आरक्षित होने से आज तस्वीर ही बदल गई है। आज सरपंच पति या प्रधान पति वाली बात भी नहीं रही है। पिछले चुनाव परिणाम भी यह साफ कर चुके हैं कि आज महिलाएं अपने निर्णय स्वयं लेती हैं। यही कारण है कि सरकार बनने और बनाने में महिलाओं मतदाताओं की निर्णायक भूमिका रही है। आने वाले समय में इसमें और अधिक सकारात्मक बदलाव देखने को मिलेगा। ऐसे में एक बात साफ हो जानी चाहिए कि बिना आरक्षित सीटों के विधानसभाओं या संसद में महिला सदस्यों की हिस्सेदारी बढ़ने की कल्पना करना बेमानी होगी। यह तो संवैधानिक बाध्यता से ही संभव हो पाएगा। यह सभी राजनीतिक दलों को समझना होगा। यदि महिलाओं की सत्ता में सहभागिता बढ़ानी है तो महिला सीटों का आरक्षण करना ही होगा। यह अवश्य है कि आरक्षण की सीमा आपसी समन्वय व विचार-विमर्श से सर्वसम्मति से तय होता है तो यह बेहतर लोकतांत्रिक परंपरा होगी। राजनीतिक दलों को आपसी आग्रह दुराग्रहों से हटकर इस दिशा में आगे बढ़ना चाहिए। गैरसरकारी संगठनों को भी इस दिशा में देश में माहौल बनाना चाहिए। यह साफ है कि अब समय आ गया है जब महिलाओं की हिस्सेदारी तय होनी ही चाहिए।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

स्टार्टअप की दुनिया से उभरते अवसर और वैश्विक स्तर पर अपनी नई पहचान बनाता भारत

डॉ. मयंक चतुर्वेदी
स्तंभकार

भारत आज एक ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहां नवाचार और उद्यमिता राष्ट्र निर्माण की धुरी बन चुकी हैं। देश में स्टार्टअप्स की तेजी से बढ़ती संख्या, उनके द्वारा सृजित रोजगार और वैश्विक स्तर पर उनकी पहचान इस बात का प्रमाण है कि भारत एक नए 'आर्थिक युग' में प्रवेश कर चुका है।

इस संदर्भ में कहना होगा कि 16 जनवरी 2016 को शुरू की गई 'स्टार्टअप इंडिया' पहल ने इस परिवर्तन को दिशा और गति प्रदान की है। इस पहल का उद्देश्य एक ऐसा मजबूत इकोसिस्टम तैयार करना था, जहां नए विचारों को पंख मिलें, निवेश को प्रोत्साहन मिले और उद्यमियों को हर स्तर पर सहयोग प्राप्त हो सके। केंद्र की मोदी सरकार ने समय को पहचानते हुए नीतियों को सरल बनाया, वित्तीय सहायता, कर में छूट और बाजार तक पहुंच जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया और एक नया क्षितिज अपने देश के युवाओं के लिए खोल दिया, जिनके लिए नवाचार से उद्यमिता में सफलता जैसे कोई स्वप्न था!

वस्तुतः आज इस यात्रा का परिणाम हमारे सामने मौजूद है। वित्त वर्ष 2025-26 में 55,200 से अधिक 'स्टार्टअप्स' को राज्यवार मान्यता मिल गई है। कह सकते हैं कि वर्ष 2026 से शुरू हुई 'स्टार्टअप्स' की यात्रा में यह किसी एक वर्ष में अब तक की सर्वाधिक संख्या है। यह पिछले वित्त वर्ष 2024-25 के 36,400+ स्टार्टअप्स की तुलना में 51.6 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि को दर्शाता है। यह आंकड़ा निश्चित ही उस विश्वास और ऊर्जा का प्रतीक है, जो वर्तमान भारत के युवाओं में दिखाई दे रही है। यही कारण है, रोजगार सृजन के क्षेत्र में भी स्टार्टअप्स ने उल्लेखनीय योगदान दिया है। वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग 4,99,400 प्रत्यक्ष नौकरियां सृजित हुई हैं, आंकड़ा कहता है कि यह पिछले वर्ष की तुलना में 36.1 प्रतिशत अधिक हैं। 31 मार्च 2026 तक कुल 2.23 लाख से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप्स ने 23.36 लाख से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार सृजित किए हैं। देश के विभिन्न राज्यों में स्टार्टअप्स का विस्तार भारत के संतुलित विकास की कहानी कहता है। महाराष्ट्र, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, दिल्ली और गुजरात जैसे राज्य इस क्षेत्र में अग्रणी बनकर उभरे हैं। इन राज्यों में हजारों स्टार्टअप्स सक्रिय हैं, जिनके माध्यम से सिर्फ लाखों भारतीयों को ही नहीं, कई विदेशियों को भी रोजगार मिल रहा है। इसमें अच्छी बात यह भी है कि अब छोटे शहरों और दूरदराज के क्षेत्रों से भी स्टार्टअप्स उभर रहे हैं, जो भारत के आर्थिक विकास को व्यापक और समावेशी बना रहे हैं।

सरकार की विभिन्न योजनाएं इस विकास को मजबूत आधार प्रदान कर रही हैं। फंड ऑफ फंड्स फॉर स्टार्टअप्स (एफएफएस) के तहत 7,000 करोड़ रुपये से अधिक का वितरण किया जा चुका है, जिससे 1,420 से अधिक स्टार्टअप्स में 26,900 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश संभव हुआ है। इस सफलता को देखते हुए 10,000 करोड़ रुपये के कोष के साथ एफएफएस 2.0 की शुरुआत की गई है, जो भविष्य में और अधिक स्टार्टअप्स को सहयोग प्रदान करेगा। क्रेडिट गारंटी स्कीम फॉर स्टार्टअप्स (सीजीएसएस) का विस्तार भी इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। गारंटी कवर को 10 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 20 करोड़ रुपये कर दिया गया है, जिससे स्टार्टअप्स के लिए पूंजी जुटाना आसान हो गया है। 2025-26 तक 1,250 करोड़ रुपये से अधिक के ऋणों की गारंटी दी जा चुकी है, जो इस योजना की प्रभावशीलता को दर्शाता है।

स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम (एसआईएसएफएस) के तहत 219 इनक्यूबेटरों के माध्यम से 3,400 से अधिक स्टार्टअप्स को 605 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता प्रदान की गई है। कहना होगा कि यह योजना उन स्टार्टअप्स के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जो शुरुआती चरण में होते हैं और जिन्हें वित्तीय सहायता की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। वहीं, महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में भी यह क्रांति स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। 1.07 लाख से अधिक स्टार्टअप्स में कम से कम एक महिला निदेशक या भागीदार है, जिसे आंकड़ों के हिसाब से हम कुल स्टार्टअप्स का लगभग 48 प्रतिशत मान सकते हैं। यह संख्या बता रही है कि महिलाओं की बढ़ती भागीदारी अब नेतृत्व की भूमिका में है। यह परिवर्तन सामाजिक और आर्थिक दोनों स्तरों पर महत्वपूर्ण है।

यही कारण भी है जो नवाचार के क्षेत्र में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। स्टार्टअप्स द्वारा दायर पेटेंट आवेदनों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि इसका साक्षात प्रमाण है। वित्त वर्ष 2024-25 में जहां 2,850+ पेटेंट आवेदन दायर किए गए थे, वहीं 2025-26 में यह संख्या बढ़कर 4,480+ हो गई है। कुल मिलाकर 19,400 से अधिक पेटेंट आवेदन दाखिल किए जा चुके हैं, जो यह दर्शाता है कि भारत अब नवाचार के क्षेत्र में भी अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। सरकारी ई-मार्केटप्लेस (GeM) ने भी स्टार्टअप्स को नई संभावनाएं प्रदान की हैं। 38,600 से अधिक स्टार्टअप्स इस प्लेटफॉर्म से जुड़े हैं, जिससे उन्हें सरकारी खरीद में भाग लेने का अवसर मिला है। 2025-26 में 1,40,260 से अधिक ऑर्डर दिए गए, जिनका कुल मूल्य 19,190 करोड़ रुपये से अधिक रहा। यह सरकारी समर्थन का सशक्त उदाहरण है, जिसने स्टार्टअप्स को बाजार तक पहुंचने में मदद की है। अब यदि इस पूरे परिदृश्य को व्यापक दृष्टि से देखें, तब यह स्पष्ट हो जाता है कि भारत ने अपनी विशाल जनसंख्या को एक उत्पादक शक्ति में बदलने की दिशा में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। युवाओं की ऊर्जा, सरकार की नीतियां और तकनीकी प्रगति, वस्तुतः इन तीनों के समन्वय ने भारत को आज वैश्विक स्तर पर इस दिशा में एक नई पहचान दिलाई है। आज भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते स्टार्टअप इकोसिस्टम में शामिल होकर वैश्विक नवाचार के मानचित्र पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रहा है।

उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम और अधिक सशक्त होगा, जो देश को आर्थिक, सामाजिक और तकनीकी रूप से नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। एक तरह से देखें तो वर्तमान भारत में 'स्टार्टअप क्रांति' न सिर्फ आर्थिक विकास की कहानी है, बल्कि यह आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में मजबूत और निर्णायक कदम है; कहना होगा कि एक ऐसा कदम, जोकि आने वाली पीढ़ियों के लिए नए अवसरों के द्वार खोल रहा है और भारत दिनो-दिन सशक्त हो रहा है, अर्थ के साथ वैश्विक प्रभाव में भी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

छोटे तनाव भी बन जाते हैं बड़ी बीमारियों का कारण, समय रहते लक्षण पहचानें

माइक्रो स्ट्रेस यानी भागदौड़ भरी जिंदगी के वो छोटे-छोटे तनाव जो लगते छोटे हैं, लेकिन समय पर ध्यान न देने पर गंभीर रूप ले सकते हैं। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में तनाव से बचना मुश्किल है। ऐसे में बड़े तनाव तो नजर आ जाते हैं, लेकिन छोटे तनावों को हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं। यही छोटे तनाव जब लगातार बढ़ते जाते हैं तो मन और शरीर पर इनका प्रभाव दिखने लगता है। रोजमर्रा की जिंदगी के छोटे-छोटे तनावों को माइक्रो स्ट्रेस कहते हैं। तनाव हम सबकी लाइफस्टाइल का हिस्सा है, जिससे बचना मुश्किल है। जब ये स्थिति बार-बार आती है तो यही छोटे-छोटे तनाव जमा होने लगते हैं। ये तनाव तुरंत महसूस नहीं होते, ये धीरे-धीरे बढ़ते हैं। अगर इन पर समय रहते ध्यान न दिया गया तो माइक्रो स्ट्रेस गंभीर रूप ले सकता है।

माइक्रो स्ट्रेस की स्थिति में व्यक्ति दिनभर की छोटी-छोटी बातों को सोचता रहता है, जिसके कारण उसे आराम नहीं मिल पाता। पीड़ित व्यक्ति में निम्नलिखित लक्षण दिखाई देते हैं- चिंता-बेचैनी, गुस्सा-चिड़चिड़ापन, थकान-उदासी, फोकस की कमी, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द,अनिद्रा की समस्या , इम्यूनिटी कमजोर होना आदि। माइक्रो स्ट्रेस रोज के छोटे-छोटे कामों और आसपास के माहौल से पैदा होता है। कोई भी व्यक्ति अपने आसपास के लोगों, चीजों और परिस्थितियों के साथ कैसे तालमेल बैठाता है, इससे तय होता है कि वह कितना तनाव महसूस करेगा और माइक्रो स्ट्रेस को कैसे मैनेज करेगा। माइक्रो स्ट्रेस का जोखिम उन लोगों को ज्यादा रहता है जो संवेदनशील होते हैं और छोटे-छोटे तनावों पर परेशान हो जाते हैं। जिन लोगों पर काम का ज्यादा प्रेशर रहता है, जैसे- एजुकेशन और हेल्थ केयर से जुड़े लोग या कॉर्पोरेट एम्प्लॉई या फिर हर काम में परफेक्शन की चाह रखने वाले लोगों को भी माइक्रो स्ट्रेस का रिस्क रहता है। जो चीजें भी माइक्रो स्ट्रेस को बढ़ा सकती हैं वे हैं पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में बैलेंस न होना, शौक या मनोरंजन के लिए समय न निकाल पाना, मोबाइल या लैपटॉप का ज्यादा इस्तेमाल, परिवार या दोस्तों के लिए समय की कमी। छोटे-छोटे तनावों से निपटने के लिए सबसे पहले उसे पहचानना जरूरी है। ज्यादातर लोग छोटे तनावों को नजरअंदाज कर देते हैं। माइक्रो स्ट्रेस को पहचानने के लिए यह चेक करें कि दिनभर में कौन सी चीजें आपको बार-बार परेशान कर रही हैं। जब आप उन चीजों पर ध्यान देने लगते हैं तो माइक्रो स्ट्रेस को कंट्रोल करना आसान हो जाता है।

कंट्रोल करने के लिए तरीके : जो काम मुमकिन न हो उसके लिए 'ना' कहना सीखें। काम के बीच में छोटे-छोटे ब्रेक लें। स्क्रीन टाइम कम करें। मेडिटेशन और ब्रीदिंग एक्सरसाइज करें। अपने शौक के लिए समय निकालें। परिवार और कारीबियों से जुड़े रहें। छोटे तनावों को ज्यादा समय तक मन में न रखें पर्याप्त नींद लें। रोज वर्कआउट करें। दिनभर एक्टिव रहें।

सुविचार

तरीका कुछ भी हो जीवन जीने का, पर हमेशा खुश रहने का प्रयत्न करें।

-अज्ञात

निशाना

स्वार्थ साधें यही कामना है..!

कान्ति शुक्ला

स्वार्थ साधें यही कामना है।
खो गई नेह की भावना है।
है नहीं आज आश्वस्त कोई
यंत्र सी हो गई चाहना है।
क्रोध आवेश की ग्रंथियां हैं
हो रही शून्य सी चेतना है।
बांट ले वेदना जो किसी की
प्रेरणा सी नहीं सांत्वना है।
भ्रांत से हो गए ये युवा भी
आत्मघाती हुई वांछना है।

यूजर्स गाइड

बिजली मीटर संग लिंक करें ईमेल, मिस नहीं होगा लो बैलेंस अलर्ट या रिचार्ज कन्फर्मेशन

प्रीपेड बिजली मीटर को ईमेल के साथ लिंक किया जा सकता है। इसके कई फायदे हैं। यह आपके बैकअप अलर्ट के तौर पर काम कर सकता है। अगर आपसे किसी वजह से मैसेज मिस हो जाए, तो आपको अलर्ट ईमेल के जरिए भी मिलते रहते हैं। यह बिजली कनेक्शन कटने के चांस को और भी कम कर देता है।

पिछले कुछ समय से देशभर के अलग-अलग राज्यों में प्रीपेड मीटर लगाने का काम चल रहा है, जिसके बाद लोगों को अचानक बिजली कनेक्शन कट जाने की समस्या से दो-चार होना पड़ रहा है। दरअसल बड़ी संख्या में लोगों को उनके फोन पर स्स्के जरिए लो बैलेंस या अन्य जरूरी अलर्ट्स नहीं मिल रहे हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा है, तो आप बहुत आसानी से प्रीपेड बिजली मीटर के साथ अपना ईमेल लिंक करके अलर्ट्स पाने का एक नया रास्ता खोल सकते हैं। इसका फायदा यह रहेगा कि नेटवर्क की समस्या या किसी और कारण से अगर आपको प्रीपेड बिजली मीटर से जुड़ा कोई जरूरी अपटेड नहीं मिल पाता, तो ईमेल के जरिए वह आप तक पहुंच सकता है। गौर करने वाली बात है कि मीटर या बिजली खाते से ईमेल को लिंक करना आसान भी है। इसके लिए कहीं चक्कर लगाने की जरूरत नहीं है, सीधे फोन पर मीटर को मैनेज करने वाली ऐप के जरिए ईमेल लिंक किया जा सकता है।

आज के समय में आप प्रीपेड मीटर के साथ ईमेल लिंक करने को ऑप्शनल नहीं, जरूरी मानकर चल सकते हैं। प्रीपेड मीटर से ईमेल लिंक करने के कई फायदे हैं। ईमेल आपके लिए बैकअप अलर्ट के तौर पर काम कर सकता है। किसी वजह से मैसेज न आने पर आपको ईमेल के जरिए हर तरह का जरूरी अलर्ट मिलता रहेगा। जब भी आप मीटर रिचार्ज करवाएंगे, तो आपको उसकी रसीद ईमेल पर मिलती रहेगी। इस तरह से आप तमाम रसीदें एक ईमेल पर सेव रख सकते हैं और जरूरत पड़ने पर आसानी से ढूंढ सकते हैं।

ईमेल कैसे करें लिंक ?: अगर आप प्रीपेड मीटर से ईमेल को लिंक करना चाहते हैं, तो पहले उस ऐप को खोलें जिसके जरिए आप अपने मीटर को मैनेज करते हैं। नीचे स्क्रॉल करने पर Email वाला सेक्शन खाली दिखेगा। उसके नीचे मौजूद Add email पर क्लिक करें। अब अपना ईमेल दर्ज करें और Get OTP पर क्लिक करें। इसके बाद ईमेल पर आने वाले OTP को दर्ज करें। OTP दर्ज करते ही आपके मीटर के साथ ईमेल लिंक हो जाएगा।

इसके बाद आपकी प्रोफाइल में ईमेल की जगह पर अपडेट किया गया ईमेल दिखने लगेगा। हर राज्य और बिजली कंपनी की ऐप में ऑप्शन अलग-अलग मिल सकते हैं। हालांकि मूल स्टेप्स एक से ही रहेंगे।

वायरल कंटेंट

मसूर दाल को नॉनवेज मानते हैं ब्राह्मण और वैष्णव समुदाय, भोग - प्रसाद में शामिल नहीं

दाल भारतीय थाली का अभिन्न हिस्सा है। शाकाहारी परिवारों के लिए यह प्रोटीन का प्रमुख स्रोत मानी जाती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक ऐसी दाल है जिसे कई हिंदू परिवार, खासकर ब्राह्मण और वैष्णव समुदाय, नॉन-वेज की श्रेणी में रखते हैं। जी हां, लाल मसूर की दाल (Red Lentils) को तामसिक भोजन माना जाता है। कई मंदिरों में इसे प्रसाद या भोग में शामिल नहीं किया जाता। साधु-संत और कुछ परंपराओं में इसे खाने से परहेज किया जाता है फिर भी आम लोग इसे चाव से खाते हैं।

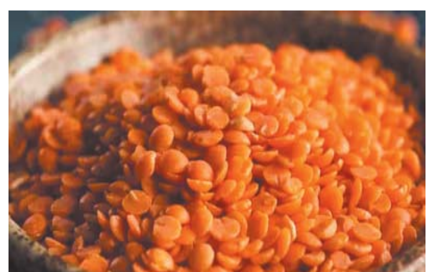

हिंदू धर्म में भोजन को तीन श्रेणियों में बांटा जाता है - सात्विक, राजसिक और तामसिक। सात्विक भोजन शांति और आध्यात्मिक उन्नति बढ़ाता है, जबकि तामसिक भोजन सुस्ती, क्रोध और नकारात्मक भावनाओं को बढ़ावा देता है। लाल मसूर की दाल को तामसिक माना जाता है। आयुर्वेद के अनुसार यह शरीर में गर्मी और उत्तेजना पैदा करती है, जो ध्यान और साधना करने वालों के लिए उपयुक्त नहीं है। सबसे प्रसिद्ध पौराणिक कथा कामधेनु गाय से जुड़ी है। कथा के अनुसार, जमदग्नि ऋषि के पास दिव्य गाय कामधेनु थी। सहस्त्रार्जुन (कार्तवीर्य अर्जुन) ने इसे ले जाने की कोशिश की। इस दौरान कामधेनु घायल हो गई और जहां-जहां उसका रक्त गिरा, वहां मसूर दाल के पौधे उग आए। चूंकि कामधेनु पवित्र मानी जाती है, इसलिए उसके रक्त से उत्पन्न दाल को अशुद्ध या मांसाहारी समकक्ष माना गया। कुछ कथाओं में इसे राक्षस के रक्त से भी जोड़ा जाता है। इसी वजह से ब्राह्मण, साधु-संत और वैष्णव परंपरा के अनुयायी मसूर दाल से परहेज करते हैं। कई मंदिरों में इसे भोग या प्रसाद में नहीं चढ़ाया जाता। खासकर काली पूजा या तांत्रिक अनुष्ठानों में इसे चढ़ाया जाता है, लेकिन सात्विक मंदिरों में इसकी मनाही है। बंगाली ब्राह्मण समुदाय में तो इसे प्याज-लहसुन की तरह नॉन-वेज माना जाता है। एकादशी, गुरुवार या त्योहारों पर इसे बिल्कुल नहीं खाया जाता।

प्रोटीन की मात्रा भी एक कारण: मसूर दाल में प्रोटीन की मात्रा काफी अधिक होती है- लगभग मांस के बराबर। शाकाहारी भोजन में यह अच्छा विकल्प है, लेकिन कुछ समुदायों में इसे 'मांस जैसा' मानकर टाला जाता है। पहले विधवाओं को भी इसे खाने की मनाही थी क्योंकि इसमें प्रोटीन ज्यादा होने से उत्तेजना बढ़ सकती है।

मध्य प्रदेश की धार भोजशाला का विवाद एमपी हाईकोर्ट में जारी है, आज भी सुनवाई चलेगी

भोजशाला सर्वे 124 साल में कई बार, हर बार मिलीं मूर्तियां-श्लोक

धार। दोपहर मेट्रो

धार भोजशाला परिसर को लेकर हाईकोर्ट की युगलपीठ में पहले धार के हस्तक्षेपकर्ताओं की बहस पूरी हुई। इसके बाद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने सर्वे पर बात रखी। बताया, हाईकोर्ट ने 2024 में सर्वे आदेश दिए। इससे पहले 1902 के बाद से ही कई बार सर्वे हो चुका है। अन्य शोधकर्ताओं ने भी सर्वे किया। हर सर्वे में मूर्तियां और श्लोक मिले। यह कई रिपोर्ट में है। एडिशनल सॉलिसिटर जनरल सुनील जैन ने दलील दी 2024 में कोर्ट के आदेश पर अत्याधुनिक तकनीक से सर्वे किया गया। रिपोर्ट कोर्ट में पेश की। अब सुनवाई आज होगी। उधर, धार के जिब्रान अंसारी, फिरोज, अयाज की हस्तक्षेप याचिका पर वकील सैयद अशहार अली वारसी ने बात रखी। कहा, मंदिर के लिए जरूरी है शिखर, गोपुरम, मंडप, गर्भगृह, जो इस निर्माण में नहीं हैं। मस्जिद के लिए जरूरी किबला, जिसकी दीवार मक्का की ओर हो, वो यहां है।

कई बार हो चुका है भोजशाला का सर्वे

बता दें कि ऐतिहासिक धार भोजशाला का मुख्य और नवीनतम वैज्ञानिक सर्वे 22 मार्च 2024 से शुरू किया गया था। जो 98 दिन तक चला। इस सर्वे की रिपोर्ट 15 जुलाई 202 को AsI ने एमपी हाईकोर्ट (इंदौर) में पेश की थी। जबकि इससे पहले 1902 में भी भोजशाला का सर्वे किया गया था। इस सर्वे के अलावा 7 अप्रैल 2003 को भी एक व्यवस्था के तहत जांच की गई थी। बताते चलें कि स्ढ्ढ ने जीपीआर और जीपीएस के साथ ही कार्बन डेंटिंग तकनीक का इस्तेमाल करते हुए इसका सर्वे किया है।

सर्वे का उद्देश्य पता लगाना है कि यह मंदिर है या मस्जिद

सर्वे का उद्देश्य यह पता लगाना था कि धार भोजशाला स्थल एक सरस्वती मंदिर है या फिर कमाल मौला की मस्जिद। हिंदु इसे मंदिर का नाम देते हैं और मुस्लिम मस्जिद का। इसके अलावा जैन समाज भी अपनी याचिका दर्ज कर भोजशाला का तीसरा दावेदार बन चुका है। मामला हाईकोर्ट में है, जिसकी दोबारा सुनवाई शुरू हुई है। इस कड़ी में आज फिर सुनवाई होनी है।

1908 में ही पुरातत्व इमारत घोषित

सुनील जैन ने बताया कि इसे 1908 में पुरातत्व महत्व की इमारतों में, तो 1958 में संरक्षित इमारतों में शामिल किया गया। इसी दौरान कोर्ट ने इसे भोजशाला और कमाल मौला मस्जिद का नाम किस दस्तावेज में आया, उस पर जारी नोटिफिकेशन पर सवाल खड़ा किया था।

पांढुर्णा तहसील में तेंदुए के हमले से एक युवक की मौत

पांढुर्णा। तहसील में तेंदुए के हमले से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान भाऊराव नागरवार के रूप में हुई है। घटना के बाद पोस्टमार्टम में करीब 16 घंटे की देरी हुई, जिससे परिजनों और पुलिस को परेशानी का सामना करना पड़ा।ग्रामीणों ने वन विभाग से तेंदुए की गतिविधियों पर निगरानी बढ़ाने और सुरक्षा उपाय करने की मांग की है।

मंडला जिले में एक पोस्ट को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच विवाद

मंडला। एक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच विवाद गहरा गया है। कांग्रेस ने अपनी राष्ट्रीय महासचिव एवं सांसद प्रियंका वाड्रा की तस्वीर के साथ महिला बिल के संदर्भ में की गई एक पोस्ट पर कड़ी आपत्ति जताई है। बताया जा रहा है कि यह पोस्ट भाजपा के मंडला नगर मंडल महामंत्री सौरभ गुप्ता द्वारा सोशल मीडिया पर साझा की गई थी। कांग्रेस ने पोस्ट को अमर्यादित, अशोभनीय और आपत्तिजनक बताते हुए इसकी निंदा की है। साथ ही कार्रवाई की मांग की है।

भाजपा विधायक का आज एक नया वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

विधायक प्रीतम लोधी का SDOP पर एक और विवादित बयान, बोले- 'बंगले में गोबर भर दूंगा'

शिवपुरी। दोपहर मेट्रो

अपने बयानों को लेकर अकसर चर्चा में बने रहने वाले मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले की पिछोर विधानसभा सीट से भाजपा विधायक प्रीतम लोधी इन दिनों पुत्र मोह के चलते लगातार विवादित बयान दे रहे हैं। प्रीतम लोधी उनके बेटे के खिलाफ एक्सीडेंट मामले पर कार्रवाई करने वाले करैरा एसडीओपी आयुष जाखड़ को खरी - खोटी सुना सुनाकर चर्चा में बने हुए हैं। एक दिन पहले ही प्रीतम लोधी का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें वो स्ष्ठह्रक्से कहते नजर आ रहे थे कि क्या करैरा तुम्हारे डैडी की है? और अब SDOP को धमकी देते हुए उनका एक नया वीडियो सामने आया है।

सामने आए नए वीडियो में भाजपा विधायक प्रीतम लोधी कहते नजर आ रहे हैं कि मेरा हाथ पहले ढाई किलो का था, लेकिन अब ढाई सौ किलो का हो गया है, इसकी (एसपी, एसडीओपी) बेचैनी दूर कर दूंगा। विधायक प्रीतम लोधी यहीं नहीं रुके उन्होंने आगे ये भी कहा कि 10 हजार लोगों को ले जाकर एसडीओपी के बंगले को गोबर से भर दूंगा। साथ ही, उन्होंने शिवपुरी एसपी से स्पष्टीकरण मांगते हुए पूछा कि, बताए दिल्ली से इनको कौन चला रहा है? कौन फरमान दे रहा है? मोदी, अमितशाह या सिंधिया? इतना ही नहीं, उन्होंने नए वीडियो में शिवपुरी पुलिस को भी 15 दिन की खुली चुनौती दे दी है।

कल भी दिया बयान

कल भी भाजपा विधायक प्रीतम लोधी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ था। वीडियो में विधायक ने करेरा के एसडीओपी आयुष जाखड़ को खुली चुनौती देते हुए तीखे सवाल उठाए, जिससे प्रशासनिक और राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। वायरल वीडियो में विधायक प्रीतम लोधी कहते नजर आ रहे हैं, करेरा क्या तुम्हारे डैडी का है? उन्होंने अपने बेटे दिनेश लोधी को लेकर भी बड़ा एलान करते हुए कहा कि उनका बेटा करेरा जाएगा और वहीं से चुनाव भी लड़ेगा। इस बयान के सामने आने के बाद क्षेत्रीय राजनीति में हलचल और तेज हो गई है।

कौन हैं प्रतीम लोधी: प्रीतम सिंह लोधी मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले की पिछोर विधानसभा सीट से भाजपा विधायक हैं। उनके खिलाफ विभिन्न मामलों में कई आपराधिक प्रकरण दर्ज होने की जानकारी सामने आती रही है।

थार गाड़ी से राहगीरों को रौंदने का मामला

विधायक लोधी के पुत्र द्वारा तेज रफ्तार थार गाड़ी से राहगीरों को रौंदने के मामले में करैरा पुलिस एसडीओपी आयुष जाखड़ द्वारा उन्हें थाने में तलब करने से तिलमिलाए बीजेपी विधायक प्रीतम लोधी के एक नहीं बल्कि दो तीन वीडियो पुलिस को धमकाने के वायरल हो रहे है। इस बार के वीडियो में वो शिवपुरी एसपी और करैरा एसडीओपी को खुलेआम धमकाते नजर आ रहे हैं।

क्या है बेटे के एक्सीडेंट का मामला?

हाल ही में शिवपुरी जिले के करैरा में एक बिना नंबर वाली महिंद्रा थार, जिस पर भाजपा विधायक और प्रीतम लोधी का नाम लिखा था। 3 बाइक सवारों के साथ साथ 2 युवतियों को टक्कर मार दी थी। इस हादसे में तीन लोग घायल हुए थे। आरोप है कि, वाहन विधायक का बेटा दिनेश लोधी चला रहा था। इस मामले में मौके पर दिनेश द्वारा धमकाने के वीडियो भी सामने आया था। विधायक लोधी का तर्क है कि, ये एक दुर्घटना थी, जिसे विपक्ष और कुछ पुलिस अधिकारी राजनीतिक साजिश का रूप दे रहे हैं।

चोरी के आरोपी मां-बेटा गिरफ्तार, आभूषण जब्त

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

थाना कोतवाली पुलिस ने गृहभेदन की बड़ी वारदात का खुलासा करते हुए करीब 7 लाख रुपये कीमत के सोने के जेवर बरामद किए हैं। पुलिस ने मामले में एक महिला आरोपी को जेल भेज दिया है, जबकि एक अपचारी बालक को बाल सुधार गृह भेजे जाने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के मुताबिक फरियादिया जैनब खान, पिता अफजल खान, निवासी साईं माखननगर परिसर, माखननगर, हाल निवासी शाहिद खान का घर, बिहारी गली, बालागंज नर्मदापुरम ने 19 अप्रैल को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह 13 अप्रैल को अपने पिता के घर आई थीं। इस दौरान उन्होंने अपने सोने के गहने, जिनमें एक जोड़ी टॉप्स, झाले, हाथ के दो कंगन, तीन अंगूठियां और एक सोने का हार शामिल था, करीब 7 लाख रुपये मूल्य के, अलमारी के ड्रॉअर में रखे थे।19 अप्रैल को अलमारी खोलकर देखने पर आभूषण गायब मिले। किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा घर में घुसकर चोरी करने की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली नर्मदापुरम में प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।एसपी साई कृष्णा एस. थोटा, एएसपी अभिषेक राजन और एसडीओपी जितेंद्र पाठक के निर्देशन में पुलिस टीम ने आरोपियों की तलाश

शुरू की। जांच के दौरान सूचना मिली कि 14 से 15 वर्ष का एक बालक बालागंज क्षेत्र में घूम रहा है। पुलिस ने बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पर तलाश की, जिसके बाद संदिग्ध बालक को सेठानी घाट स्थित काले महादेव मंदिर के नीचे टीन शेड से अभिरक्षा में लिया गया।पूछताछ में बालक ने आभूषण अपनी मां किरण बाई को देने की बात स्वीकार की। इसके बाद पुलिस ने किरण बाई को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने आभूषण अपनी साड़ी के पल्लू में बांधकर रखना बताया। पुलिस ने चोरी गए सभी आभूषण बरामद कर लिए।पुलिस के अनुसार, किरण बाई पति यशवंत डोनटोडे, उम्र 45 वर्ष, निवासी ग्राम पांजराकला, थाना देहात के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 317(2) के तहत कार्रवाई की गई है। इस कार्रवाई में निरीक्षक कंचन सिंह ठाकुर, थाना प्रभारी थाना कोतवाली नर्मदापुरम, सउनि संजय रघुवंशी, पंकेश, आरक्षक 920 गजेंद्र, आरक्षक सतीश और महिला आरक्षक अंजू ऊईके की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

माइनिंग टीम से डरकर युवक ने नदी में छलांग लगाई, मौत

जबलपुर। दोपहर मेट्रो

जबलपुर में अवैध खनन के खिलाफ सोमवार दोपहर करीब 2 बजे रेड के दौरान माइनिंग टीम से डरकर युवक ने नर्मदा नदी में छलांग लगा दी। डूबने से उसकी मौत हो गई। उसके 4-5 साथी मौके से भाग गए। मामला बरेला थाना क्षेत्र के खिरैनी रेत घाट का है। जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान 25 वर्षीय मानक वर्मा, निवासी ग्राम जमतरा के रूप में हुई है। मौत के बाद परिजन और ग्रामीणों ने पुलिस और खनिज विभाग की टीम को घेर लिया। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर आक्रोश जाहिर किया।

घाटों पर सीएमओ ने लिया सफाई व्यवस्था का जायजा

इटारसी। दोपहर मेट्रो

कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार नगर पालिका सीएमओ हेमेश्वरी पटले ने वार्ड क्रमांक 2 के अंतर्गत सेठानी घाट से कोरी घाट तक विशेष सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान सीएमओ ने क्षेत्र में तैनात सभी सफाई कर्मियों को नियमित सफाई सुनिश्चित करने और स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत बनाने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने हरियाली रोड पर अमृत योजना के चल रहे कार्यों का भी अवलोकन किया। इस दौरान टूटी पाइपलाइन को तत्काल ठीक करने के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक आदेश जारी किए गए, ताकि जलापूर्ति व्यवस्था पर कोई असर न पड़े।सीएमओ ने स्वच्छता और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष जोर देते हुए सभी संबंधितों को सतर्क रहने की हिदायत दी।

मेट्रो एंकर अक्षय तृतीया पर विधायक ने दी सुहाग सामग्री, बोले–दांपत्य जीवन धर्म, विश्वास और संस्कारों से निभाएं

मूड़रीधाम में सजे सपनों के मंडप, 27 गरीब बेटियों के हाथ पीले

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

अक्षय तृतीया के पावन अवसर पर नगर से करीब 25 किलोमीटर दूर स्थित श्री राम जानकी मंदिर मूड़रीधाम आश्रम सोमवार को भव्य विवाह स्थल में परिवर्तित हो गया। यहां 27 गरीब कन्याओं का वैदिक रीति-रिवाजों के साथ एक ही मंडप के नीचे निशुल्क सामूहिक विवाह संपन्न कराया गया। इस दौरान सात दिवसीय श्रीराम कथा का भी समापन हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक हरिसिंह रघुवंशी ने नवदंपतियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि संतों के आशीर्वाद से शुरू हुआ यह दांपत्य जीवन सदैव फूलों की बगिया की तरह महकता रहे। उन्होंने कहा कि नवविवाहित जोड़े संकल्प लें कि वे अपने वैवाहिक जीवन को धर्म, विश्वास और संस्कारों के साथ निभाएंगे, यही जीवन की सच्ची सफलता है। विधायक ने अपनी ओर से सभी बेटियों को सुहाग सामग्री स्वरूप बिछिया भी भेंट की।महंत 108 परशुराम दास जी महाराज ने विदाई के समय प्रत्येक वधु को नगद राशि से भरे लिफाफे भेंट किए। उस भावुक क्षण में हर बेटी को पिता समान स्नेह का अनुभव हुआ। विदाई के समय बेटियों और उनके परिजनों की आंखें नम हो उठीं। कन्याओं के माता-पिता ने कहा कि मूड़रीधाम ने यह साबित कर दिया कि मंदिर केवल पूजा-अर्चना का स्थान नहीं, बल्कि समाज की संवेदनाओं का केंद्र भी हो सकता है, जहां धर्म, सेवा और इंसानियत मिलकर जीवन बदल देते हैं।

आश्रम बना बेटियों का घर

मूड़रीधाम का हर कोना रोशनी, फूलों और आकर्षक सजावट से सजा नजर आया। वातावरण ऐसा था मानो हर बेटी इस आश्रम की अपनी हो। ग्रामीणों ने पलक–पांवड़े बिछाकर बारातों का स्वागत किया। विदिशा जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आई बारातों का गांववासियों ने आत्मीय स्वागत किया। ढोल–नगाड़ों की गूंज और खुशी से झूमते लोग पूरे आयोजन को सामाजिक उत्सव का रूप दे रहे थे।

धर्म से सेवा तक का संदेश

श्रीराम कथा के समापन के बाद पंचांग पूजन के साथ विवाह संस्कार प्रारंभ हुए। काशी से पधारे आचार्य लालू महाराज ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सभी जोड़ों का विवाह संपन्न कराया। आश्रम की ओर से नवदंपतियों को गृहस्थी का आवश्यक सामान, सुहाग सामग्री तथा चांदी के सिक्के भेंट किए गए। यह सहायता नहीं, बल्कि सम्मानपूर्वक नई जिंदगी की शुरुआत का संदेश था।

शोक संदेश

अत्यंत दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि बद्रीलाल भंडारी की भाभीजी, मुकेश भंडारी एवं सुनील भंडारी की पूज्य माताजी ***श्रीमती चंदा बाई धर्मपत्नी स्व.श्री रामचंद्र जी भंडारी (चेचट वाले)*** का देवलोकगमन दिनांक 20 अप्रैल (सोमवार) रात्रि 9 बजे हो गया है।

आपका अंतिम संस्कार आज दिनांक 21अप्रैल, 26 (मंगलवार) को प्रातः 11:30 बजे स्वनिवास से किशोरपुरा मुक्तिधाम पर किया गया। ॐ शांति ॐ।

श्रीमती चंदा बाई

शोकाकुल

बद्रीलाल भंडारी, प्रभुलाल भंडारी, मोहन, अशोक, दिनेश, डॉ. नवीन, दिलीप, अभिनव, पीयूष, विकास, राहुल, प्रत्यक्ष, उत्कर्ष, अर्णव , प्रियांश एवं समस्त भंडारी परिवार, चेचट एवं कोटा।

स्व. निवास- 8-D-7, महावीर नगर - 3, कोटा

प्रतिष्ठान – भंडारी ब्यूटी एंड जनरल, महावीर नगर-3, कोटा

मोबाइल – 9829035541, 9460847593

जिला कांग्रेस दफ्तर की प्रेस कॉन्फ्रेंस में केंद्र सरकार पर साधा निशाना

महिला कांग्रेस प्रदेश महासचिव बोलीं-महिला आरक्षण बिल तुरंत लागू हो

धार। दोपहर मेट्रो

महिला आरक्षण बिल को लेकर महिला कांग्रेस प्रदेश महासचिव ने केंद्र की भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सोमवार को जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए महिला कांग्रेस प्रदेश महासचिव प्रीति माहेश्वरी ने कहा कि भाजपा सरकार महिला आरक्षण की आड़ में परिसीमन का खेल खेलकर महिलाओं को उनके संवैधानिक अधिकार से वंचित करना चाहती है। प्रीति माहेश्वरी ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि भाजपा द्वारा जनता के बीच यह भ्रम फैलाया जा रहा है कि कांग्रेस ने महिला आरक्षण बिल को रोका। उन्होंने स्पष्ट किया कि महिला आरक्षण बिल सितंबर 2023 में ही पास हो चुका है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब संसद में भाजपा के पास पूर्ण बहुमत है और बिल कानून बन चुका है, तो इसे वर्तमान की 543 सीटों पर तुरंत लागू क्यों नहीं किया जा रहा। भाजपा सरकार परिसीमन और जनगणना की आड़ लेकर इस बिल को भविष्य के लिए टाल रही है। हमारी मांग है कि 33 प्रतिशत आरक्षण आज और अभी से लागू हो।

कांग्रेस की विचारधारा रही है महिला सशक्तिकरण

माहेश्वरी ने कहा कि महिलाओं को राजनीति में लाने की असल नींव पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी ने रखी थी। उन्हीं की पहल पर पंचायती राज और स्थानीय निकायों में महिलाओं को भागीदारी मिली। उन्होंने आगे कहा कि 2009 में सोनिया गांधी के प्रयासों से इसे राज्यसभा में लाया गया और 2019 में राहुल गांधी ने भी इसे पुरजोर तरीके से उठाया। महिला कांग्रेस प्रदेश महासचिव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रमुखता से ओबीसी वर्ग की महिलाओं का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार 543 सीटों पर आरक्षण लागू करने में देरी कर रही है। कांग्रेस की मुख्य मांग है कि इस आरक्षण के भीतर ओबीसी वर्ग की महिलाओं को भी उनका उचित अधिकार और भागीदारी मिले, ताकि समाज का हर वर्ग नेतृत्व कर सके। प्रीति माहेश्वरी ने चेतावनी देते हुए कहा कि भाजपा का महिला हितेषी होना एक ढोंग है। उन्होंने कहा, महिला कांग्रेस अब चुप नहीं बैठेगी। हम जिले की हर गली और घर-घर जाकर महिलाओं को बताएंगे कि बिल 2023 में पास होने के बावजूद सरकार की मंशा इसे लागू करने की नहीं है। हम सड़क से लेकर सदन तक महिलाओं के हक की लड़ाई जब तक लड़ेंगे तब उनका अधिकार नहीं मिलता।

न्यूज विंडो

इलाज में देरी से युवक की मौत लापरवाही पर BMO को हटाया

अनूपपुर। जिले के पुष्पराजगढ़ ब्लॉक में स्वास्थ्य व्यवस्था की गंभीर लापरवाही सामने आई है, जहां इलाज और एम्बुलेंस की देरी के कारण एक युवक की मौत हो गई। घटना से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने रीवा-अमरकंटक मुख्य मार्ग पर करीब 5 घंटे तक जाम लगा दिया, जिससे आवागमन पूरी तरह बाधित रहा। जानकारी के अनुसार, युवक की तबीयत बिगड़ने के बाद समय पर एम्बुलेंस और उचित इलाज नहीं मिल सका, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिली और स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद परिजनों ने जाम समाप्त किया। प्रशासन ने तत्काल प्रभाव से ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर को हटा दिया है। वहीं, क्षेत्र में पदस्थ डॉक्टर वर्मा का नाम भी विवादों में रहा है। बताया जा रहा है कि कोतमा में ड्यूटी के दौरान भी उन्हें पूर्व में हटाया गया था, लेकिन बाद में कथित सेटिंग के चलते उन्हें दोबारा जिम्मेदारी दे दी गई। CMHO रहते हुए भी उनका कार्यकाल विवादों से घिरा रहा है।

स्कूलों व आंगनबाड़ी केन्द्रों में शुद्ध पेयजल के लिए करोड़ों रुपए खर्च

शहडोल। जिले में स्कूलों और आंगनबाड़ी केन्द्रों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए जाने के बावजूद जमीनी स्तर पर स्थिति बेहद खराब बनी हुई है। जिम्मेदार विभागों द्वारा जहां 1977 स्कूलों और 935 आंगनबाड़ी केन्द्रों में पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने का दावा किया जा रहा है, वहीं हकीकत इससे बिल्कुल अलग नजर आ रही है। जानकारी के अनुसार, कई स्थानों पर पानी टंकियां, पाइपलाइन और नल कनेक्शन तो लगाए गए, लेकिन या तो वे शुरू ही नहीं किए गए या फिर कुछ समय बाद ही खराब हो गए। कई स्कूलों और आंगनबाड़ी केन्द्रों में बच्चे आज भी पीने के पानी के लिए हैंडपंप या अन्य स्रोतों पर निर्भर हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और भी चिंताजनक है, जहां निर्माण कार्य अधूरे छोड़ दिए गए या सिर्फ कागजों में पूरे दिखाकर भुगतान कर दिया गया। कई जगहों पर पाइपलाइन बिछाई ही नहीं गई, जबकि रिकॉर्ड में कार्य पूर्ण दर्शाया गया है। जिले के अधिकांश आंगनबाड़ी केन्द्रों में पेयजल की समुचित व्यवस्था नहीं है। कहीं टंकियां शोपीस बनी हुई हैं तो कहीं नल सूखे पड़े हैं। इससे छोटे बच्चों और महिलाओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

छोटे-छोटे कामों के लिए पटवारियों की तलाश में भटकते रहते हैं ग्रामीण

अनूपपुर। जिले में हल्का पटवारियों की उपलब्धता नहीं होने से ग्रामीणों को राजस्व संबंधी छोटे-छोटे कामों के लिए भटकना पड़ रहा है। कई ग्राम पंचायतों में पटवारी नियमित रूप से नहीं पहुंच रहे, जिससे नामांतरण, बंटवारा, खसरा-नक्शा सुधार जैसे कार्य समय पर नहीं हो पा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पटवारी अपने निर्धारित क्षेत्र में रहने के बजाय अधिकतर समय तहसील या जिला मुख्यालय में ही रहते हैं। इसके कारण लोगों को कई बार चक्कर लगाने पड़ते हैं और समस्याओं का समय पर समाधान नहीं हो पाता। बताया जाता है कि तत्कालीन कलेक्टर द्वारा निर्देश दिए गए थे कि प्रत्येक हल्का पटवारी सप्ताह में कम से कम दो दिन ग्राम पंचायत में उपस्थित होकर ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण करें। लेकिन यह आदेश सिर्फ कागजों तक ही सीमित नजर आ रहा है। यदि इस व्यवस्था को सख्ती से लागू किया जाए और ग्राम पंचायत स्तर पर पटवारियों की उपस्थिति सुनिश्चित हो, तो ग्रामीणों को काफी राहत मिल सकती है। फिलहाल स्थिति यह है कि लोगों को अपने ही गांव के काम के लिए तहसील और पटवारी की तलाश में भटकना पड़ रहा है।

सतना शहर के सिद्धार्थ नगर स्थित प्रिया नर्सरी के पास की घटना

हंसिया से गला रेतकर बालक की हत्या शव को ड्रम में छिपाया और हो गया फरार

सतना। दोपहर मेट्रो

शहर में एक दिल दहला देने वाली घटना ने इलाके में दशहत मचा दी। शहर के सिद्धार्थ नगर स्थित प्रिया नर्सरी के पास गत दिवस दोपहर एक 11 वर्षीय बालक की निर्मम हत्या का मामला सामने आने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। बंद कमरे के भीतर रखे नीले ड्रम से बच्चे का शव बरामद हुआ। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हत्यारे ने हंसिया से गला रेतकर हत्या की और शव को ड्रम में छिपा दिया और बाहर से ताला मारकर फरार हो गया। हत्या का संदेह सब स्टैंड निवासी ड्राईक्लीनर्स दुकानदार पर है।

जानकारी के अनुसार सभापुर थाना क्षेत्र के नयागांव निवासी आशा रजक पिछले लगभग एक वर्ष से सिद्धार्थ नगर में किराए के कमरे में रह रही है। उसका पति नासिक में रहता था जिसकी मानसिक स्थिति कुछ ठीक नहीं है, जिसके चलते वह घरों में काम कर बच्चों का पालन-पोषण करती है। शनिवार सुबह आशा काम पर गई थी, जबकि बड़ा बेटा शिवाकांत अपने काम पर चला गया। घर में बेटी सेजल और 11 वर्षीय बेटा शिवराज उर्फ बादल मौजूद थे। दोपहर करीब 12:30 बजे जब आशा लौटी तो घर का दरवाजा बाहर से बंद मिला और दोनों बच्चे गायब थे। घटना के बाद से संदिग्ध मथुरा रजक फरार है। पुलिस उसकी तलाश में संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही है और उसके परिचितों से पूछताछ की जा रही है। मथुरा के घर और दुकान में ताला लटका मिला। एक टीम उसके पैतृक गांव भी रवाना की गई है।मृतक शिवराज उर्फ बादल स्थानीय जीनियस हायर सेकेंडरी स्कूल में कक्षा पांचवीं का छात्र था।

दरवाजे पर मिले जूते, बढ़ा संदेह

आशा ने बेटी से संपर्क किया तो उसने बताया कि वह सुबह करीब 11 बजे काम की तलाश में बाहर गई थी और बादल घर पर ही था। दरवाजे के पास बच्चे के जूते रखे मिलने से संदेह और गहरा गया। परिजनों ने आसपास तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। गुमशुदगी की सूचना पर पहुंची पुलिस ने कमरे का ताला तोड़ा। अंदर का दृश्य चौंकाने वाला था, दीवारों पर खून के निशान, खून सनी तकिया और पास में पड़ी हंसिया मिली। कमरे में रखे नीले ड्रम के बाहरी हिस्से पर भी खून के धब्बे दिखाई दिए। जब पुलिस ने ड्रम खोला तो उसके भीतर कपड़ों के नीचे शिवराज उर्फ बादल का शव मिला। बच्चे की गर्दन पर गले रेतने के निशान थे। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम के डॉ. महेंद्र सिंह ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर हंसिया, खून सनी सामग्री और ड्रम सहित अन्य साक्ष्य जब्त किए। बताया गया कि वारदात के दो दिन पहले मृतक के पिता और संदेही मथुरा के बीच विवाद हुआ था तब मथुरा धमकी देकर चला गया था।

शादी से इंकार पर हत्या का आरोप

मृतक की मां आशा रजक और बहन सेजल ने बैंक कॉलोनी में कपड़े प्रेस करने वाले परिचित मथुरा रजक पर हत्या का आरोप लगाया है। उसके अनुसार मथुरा लंबे समय से उस पर शादी का दबाव बना रहा था और मना करने पर गाली-गलौज व धमकी देता था। आशा का आरोप है कि शादी से इंकार करने की वजह से आरोपी ने उसके बेटे की हत्या की।

कोरोना काल से बंद यात्री ट्रेनों के स्टॉपेज अब तक नहीं हुए बहाल, सिर्फ नाम के रह गए रेलवे स्टेशन

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

कोरोना काल से रेलवे प्रबंधन ने जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित छोटे रेलवे स्टेशनों पर ज्यादातर यात्री गाड़ियों का स्टॉपेज बंद कर दिया था, जो आज तक बहाल नहीं किए गए हैं। यहां पुनः यात्री ट्रेनों का स्टॉपेज न मिलने के कारण ये स्टेशन सिर्फ नाम के रह गए हैं। यहां अब पूरे दिन में सिर्फ दो यात्री ट्रेनों का ठहराव होता है। यात्रियों को यात्रा करने के लिए कई किलोमीटर दूर दूसरे रेलवे स्टेशन जाकर यात्रा करनी पड़ती है।

कोरोना के बाद से इन स्टेशनों के आसपास निवासरत ग्रामीणों को काफी परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि स्टेशन तो हैं लेकिन यहां ट्रेनों का ठहराव न होने से उन्हें काफी परेशानी होती है। वेंकट नगर, निगवां रेलवे स्टेशन क्षेत्र में रहने वाले ग्रामीणों को लगभग 40 किलोमीटर दूर जैतहरी से ट्रेन पकड़नी पड़ती है। इसी तरह छुलहा रेलवे स्टेशन क्षेत्र में रहने वाले लोगों को 4 किलोमीटर दूर अनूपपुर जाकर ट्रेन पकड़नी पड़ती है। इसी तरह बैहटोला रेलवे स्टेशन क्षेत्र में रहने वाले लोगों को 8 किमी दूर बिजुरी से फिर 12 किमी दूर कोतमा जाकर ट्रेन पकड़नी पड़ती है। हरद क्षेत्र में निवासरत ग्रामीणों को 10 किलोमीटर दूर कोतमा से ट्रेन पकड़नी पड़ती है। इंदवारी क्षेत्र के लोगों को 22 किमी दूर अनूपपुर जाकर अपनी यात्रा शुरू करनी पड़ती है। इसी तरह हरद क्षेत्र में निवासरत यात्रियों को लगभग 10 किमी दूर अनूपपुर से यात्रा शुरू करनी पड़ती है। ट्रेन का स्टॉपेज न मिलने की वजह से बीते 2 वर्षों से अधिक समय से इन स्टेशन क्षेत्र में निवासरत लगभग एक सैकड़ा ग्रामों के लोग ज्ञापन सौंपने के साथ ही जनप्रतिनिधियों से भी अपनी पीड़ा बता चुके हैं, लेकिन जनप्रतिनिधि भी उनकी समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। जबकि लाखों की आबादी इस समस्या से परेशान है। इसमें अनूपपुर-चिरमिरी रेलखंड में स्थित हरद रेलवे स्टेशन में स्टॉपेज न होने से आसपास के 8 ग्राम पंचायत के ग्रामीण परेशान हैं। इसी तरह छुलहा रेलवे स्टेशन क्षेत्र में निवासरत 15 ग्राम पंचायत के ग्रामीण इससे प्रभावित हैं। बैतुला के समीप निवासरत 13 ग्राम पंचायत के लोग इस समस्या से जूझ रहे हैं। वेंकट नगर क्षेत्र के लगभग 15 ग्राम पंचायत के लोग इस समस्या से परेशान हैं। निगवां क्षेत्र में लगभग 5 ग्राम पंचायत के लोग इस समस्या का सामना वर्षों से कर रहे हैं। इसी तरह छुलहा के आसपास निवासरत 7 ग्राम पंचायत के लोग इस परेशानी का सामना कर रहे हैं।

छिंदवाड़ा में एक किराना दुकान में लगी भीषण आग, सामान खाक

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

छिंदवाड़ा के जुन्नारदेव में सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात एक बड़ा हादसा टल गया। यहां एक किराना दुकान में अचानक भीषण आग लग गई, जिसने देखते ही देखते पूरी दुकान को चपेट में ले लिया। आग इतनी तेज थी कि दुकान में रखा लगभग पूरा सामान खाक हो गया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस और संबंधित विभाग द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

मेट्रो एंकर

श्री मद् भागवत कथा में गूंजे भक्ति के भाव, बड़ी संख्या में शामिल हुए श्रद्धालु

कृष्ण रासलीला और रुक्मिणी विवाह का किया वर्णन

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

समीपस्थ ग्राम गुहची में चल रहे श्रीमद्भागवत कथा ज्ञानयज्ञ सप्ताह में कथा वाचक पं. उमाशंकर शास्त्री ने भक्तिमय प्रवचन देते हुए कहा कि भगवान सदैव अपने भक्तों की इच्छाओं की पूर्ति करते हैं और उनकी कृपा से ही जीवन में सच्चा आनंद प्राप्त होता है। कथाव्यास ने कहा कि ब्रज भूमि की रज के लिए बड़े-बड़े विद्वान भी अभिभूत रहते हैं।

भगवान के अवतार का मुख्य उद्देश्य उनकी करुणा और भक्तों के प्रति प्रेम है। उन्होंने बताया कि वृंदावन में भगवान केवल मनुष्यों के ही नहीं बल्कि पशु-पक्षियों तक के भावों को समझकर उनकी इच्छाएं पूर्ण करते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि भगवान श्रीकृष्ण गाय के लिए बछड़े का रूप धारण कर उसकी इच्छा पूरी करते हैं, वहीं बंदरों के मनोरथ को भी पूरा करते हुए उन्हें अपने हाथों से माखन खिलाते हैं। यहां तक कि भगवान अपने शत्रुओं के भावों को भी स्वीकार कर उन्हें भी उचित फल प्रदान करते हैं। कथाव्यास ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने गोपियों के प्रेम और भावनाओं को पूर्ण करने के लिए दिव्य रासलीला की रचना की। शरद पूर्णिमा की रात्रि योगमाया की शक्ति से सम्पन्न यह रासलीला भगवान की दिव्य लीलाओं का सार है, जिसे समझना ही भक्ति का वास्तविक अर्थ है। उन्होंने आगे कहा कि संसार में बांसुरी की मधुर धुन हर गोपी को ऐसा अनुभव कराती थी मानो वह केवल उसके लिए ही बज रही हो, और यही निर्मल मन की पहचान है। इस अवसर पर कथा पंडाल में श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह का भव्य एवं मनमोहक नाट्य रूपांतरण भी प्रस्तुत किया गया, जिसे देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। पूरा वातावरण भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर हो गया।

नागझिरी करौंदिया गांव स्थित खदान में नहाने गए दो दोस्त डूबे, रेस्क्यू जारी

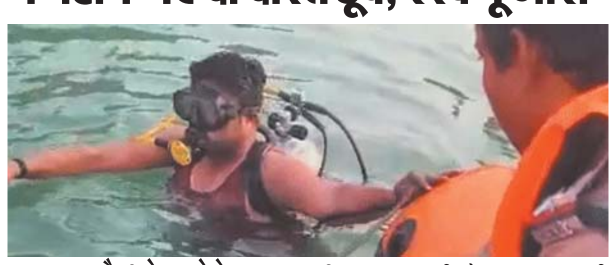

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

उज्जैन के नागझिरी थाना क्षेत्र के करौंदिया गांव स्थित खदान में नहाने गए दो दोस्त डूब गए। घटना सोमवार दोपहर 3 से 4 बजे की है। सोमवार शाम 5 बजे से नाबालिग दोस्तों को ढूंढने के लिए स्ष्ठत्रऋ और होमगार्ड की टीमें रेस्क्यू ऑपरेशन चला रही हैं। खदान में 9 दोस्त नहाने गए थे, जिसमें से दो खदान से बाहर नहीं आए और लापता हो गए। रात साढ़े 10 बजे रेस्क्यू टीम ने एक नाबालिग किशोर का शव निकाल लिया। जानकारी के अनुसार, सभी दोस्त खदान में नहाने पहुंचे थे। इसी दौरान करीब 50 फीट गहरी खदान में दो युवक अचानक गहरे पानी में चले गए और बाहर नहीं निकल सके।होमगार्ड एवं स्ष्ठत्रऋ जिला उज्जैन के डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट संतोष कुमार जाट ने बताया कि टीम ने पूरी तत्परता के साथ ऑपरेशन चलाया जा रहा है। खदान की अधिक गहराई और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के कारण बचाव संभव नहीं हो सका।

रोहित 'मुंबई' की प्लेइंग इलेवन से हुए गायब

मुंबई इंडियंस की प्लेइंग इलेवन से रोहित शर्मा गायब हैं. वो गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में नहीं खेलेंगे। ये आईपीएल में लगातार दूसरा मैच होगा, जब रोहित मुंबई इंडियंस की प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं हैं। आखिर हिटमैन को हुआ क्या है, जिसके कारण वो मुंबई के मैचों से गायब हैं। गुजरात के खिलाफ मैच में रोहित इम्पैक्ट खिलाड़ियों की सूची में भी शामिल नहीं हैं।

नईदिल्ली. एजेंसी

12 अप्रैल को मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू का मैच खेला गया था. मुंबई की टीम 241 रनों के लक्ष्य का पीछा कर रही थी। रोहित शर्मा बतौर ओपनर खेलने आए और 13 गेंद में 19 रन बना चुके थे। तभी उन्हें हैमस्ट्रिंग में खिंचाव हुआ, जिसकी वजह से वो रिटायर्ड हर्ट होकर ड्रेसिंग रूम में वापस लौट गए थे। उसके बाद रोहित एक भी मैच नहीं खेले हैं। उसी चोट के कारण वो गुजरात के खिलाफ मैच में भी नहीं खेल रहे हैं।

कब तक आएंगे वापस?

गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच से पूर्व रोहित शर्मा ने नेट्स में अभ्यास शुरू कर दिया था। यहां तक कि स्ह्रु के गेंदबाजी कोच पारस म्हाम्ब्रे का कहना था कि रोहित पूरी तरह फिट हैं। हालांकि उन्होंने यह पुष्टि नहीं की थी कि रोहित गुजरात के खिलाफ खेलेंगे। मगर उन्होंने रोहित को फिट बताया था। इसके बावजूद उनका प्लेइंग इलेवन में ना होना ऐसा संकेत माना जा सकता है कि मुंबई इंडियंस का मैनेजमेंट, रोहित की फिटनेस को लेकर कोइ रिस्क नहीं लेना चाहता। रोहित शर्मा ने अब तक आईपीएल में चार मैच खेलकर 137 रन बनाए हैं। रोहित का व्यक्तिगत प्रदर्शन औसत दर्जे का रहा है, लेकिन उनकी टीम मुंबई इंडियंस बहुत खराब फॉर्म से जूझ रही है। मुंबई अब तक 5 मैचों में केवल एक जीत दर्ज कर पाई है।

हैदराबाद-दिल्ली के बीच मुकाबला आज जीत की हैट्रिक लगाने उतरेगी सनराइजर्स

हैदराबाद. एजेंसी

आईपीएल 2026 में मंगलवार को सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स आमने-सामने होंगे। हैदराबाद के राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में मैच शाम 7.30 बजे से खेला जाएगा। पॉइंट्स टेबल में दोनों ही टीमें 6-6 अंकों के साथ बराबरी पर हैं, हालांकि बेहतर रन रेट के कारण हैदराबाद चौथे स्थान पर है। दिल्ली चौथी जीत की तलाश में हैं। हैदराबाद की टीम अपने घर में जीत की हैट्रिक लगाने के इरादे से उतरेगी। अब तक दोनों टीमों के बीच 26 मैच खेले गए हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए सबसे बड़ी चिंता कप्तान पैट कमिंस की अनुपलब्धता है। कमिंस स्क्वॉड के साथ जुड़ तो गए हैं, लेकिन इस मैच के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। उनकी जगह ईशान किशन टीम की कप्तानी संभाल रहे हैं। कमिंस की गैरमौजूदगी में टीम की गेंदबाजी यूनिट कमजोर नजर आ रही थी, लेकिन पिछले दो मैचों में प्रफुल्ल हिंगे, साकिब हुसैन और शिवांग कुमार जैसे युवा खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। ईशान मलिंगा ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ डेथ ओवरों में बेहतरीन बॉलिंग कर टीम को जीत दिलाने में मुख्य भूमिका निभाई थी।

हैदराबाद का बैटिंग ऑर्डर फेल, क्लासन पर बढ़ा दबाव

गेंदबाजी में सुधार के बावजूद हैदराबाद की बल्लेबाजी अब भी संघर्ष कर रही है। ओपनर ट्रेविस हेड, अभिषेक शर्मा और कप्तान ईशान किशन अब तक एक साथ बड़ी साझेदारी करने में नाकाम रहे हैं। टीम का हाई-रिस्क एप्रोच कई बार उल्टा पड़ रहा है, जिससे मिडिल ऑर्डर जल्दी एक्सपोज हो जाता है। इसका खामियाजा हेनरिक क्लासन को भुगतना पड़ रहा है। क्लासन को जल्दी विकेट गिरने की वजह से संभलकर खेलना पड़ रहा है, जिससे वे अपनी स्वाभाविक आक्रामक पारी नहीं खेल पा रहे हैं। हालांकि, वह टीम की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 6 मैचों में 144.38 की स्ट्राइक रेट से 283 रन बनाए हैं।

कुलदीप यादव की फॉर्म बनी चिंता, एनगिडी कर रहे लीड

दिल्ली के गेंदबाजी विभाग में वैरायटी तो है, लेकिन धार की कमी दिख रही है। मिचेल स्टार्क की अनुपलब्धता में साउथ अफ्रीकी पेसर लुंगी एनगिडी अटैक को लीड कर रहे हैं। उन्होंने 5 मैचों में 7 विकेट लिए हैं।

मेट्रो बाजार

क्रेडिट कार्ड योजना : छोटे कारोबारियों को कम ब्याज पर कर्ज

मुंबई. एजेंसी

छोटे कारोबारियों को राहत देने के लिए केंद्र सरकार एक बड़ी पहल की तैयारी में है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए कम ब्याज दर वाला विशेष क्रेडिट कार्ड जल्द ही लॉन्च किया जा सकता है। इस योजना का उद्देश्य छोटे व्यवसायों के लिए कर्ज लेने की लागत को कम करना और कार्यशील पूंजी से जुड़ी समस्याओं को दूर करना है। उम्मीद है कि इस महीने के अंत तक बैंक इस योजना को शुरू कर सकते हैं। प्रस्तावित योजना के तहत उद्यम पोर्टल पर पंजीकृत सूक्ष्म उद्यमों को 5 लाख रुपये तक की सीमा वाले अनसिक्योर्ड क्रेडिट कार्ड दिए जाएंगे। इससे छोटे कारोबारियों को बिना गारंटी के तत्काल वित्तीय सहायता मिल सकेगी, जिससे वे अपने दैनिक कारोबार को सुचारु रूप से चला सकें। इस क्रेडिट कार्ड की सबसे बड़ी खासियत इसकी कम ब्याज दर होगी। जहां सामान्य क्रेडिट कार्ड पर 36 से 42 प्रतिशत तक वार्षिक ब्याज लगता है, वहीं इस योजना के तहत ब्याज दर लगभग 18 प्रतिशत रहने की संभावना है। इसके साथ ही 30 दिनों की ब्याज-मुक्त अवधि भी दी जाएगी, जिससे उधारी लागत और कम हो सकेगी। कार्डधारकों को बकाया राशि को आसान मासिक किस्तों में बदलने की सुविधा भी मिलेगी। यह दर लगभग 10 से 12 प्रतिशत के बीच हो सकती है।

देश के सबसे बड़े आईपीओ की ओर बढ़ रहा रिलायंस जियो, मई में हो सकता है ऐलान

कैलिफोर्निया. एजेंसी

भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों के लिए मई का महीना खास हो सकता हैं. रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड अपनी टेलीकॉम कंपनी जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड को शेयर बाजार में लाने की तैयारी कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार, मई में जियो आईपीओ के लिए शुरुआती ड्राफ्ट पेपर जमा कर सकता हैं। उम्मीद की जा रही है कि, यह देश का सबसे बड़ा आईपीओ हो सकता है। ऐसे में निवेशकों की खास नजर कंपनी पर होने की संभावना हैं। शुरुआत में कंपनी मार्च के अंत तक आईपीएल से जुड़े दस्तावेज जमा करने की तैयारी में थी। कंपनी अपने दिसंबर तिमाही के आंकड़ों के आधार पर बाजार में उतरने की तैयारी कर रही थी। हालांकि, ईरान-यूएस में जारी तनाव के कारण वैश्विक शेयर बाजारों में गिरावट और अनिश्चितता के बीच कंपनी ने इस फैसले में थोड़ी देरी करने का फैसला लिया। कंपनी अपने वित्तीय आंकड़ों के साथ फिर से नियामक के पास जाने की योजना पर काम कर रही है। रिलायंस समूह की ओर से लंबे अंतराल के बाद किसी बड़ी कंपनी का आईपीएल लाने की तैयारी की जा रही हैं। जिससे निवेशकों के बीच खासा उत्साह देखने को मिल सकता हैं। करीब दो दशक बाद ऐसा मौका आ रहा है जब समूह की कोई बड़ी कंपनी बाजार में पब्लिक इश्यू लेकर आएगी। कंपनी के तिमाही नतीजों से पहले किसी तरह की हलचल देखने को नहीं मिल रही है। ऐसे में संभावना है कि, इस दौरान आईपीएल से जुड़ी कोई आधिकारिक फाइलिंग या घोषणा नहीं होगी। जियो के संभावित मेगा आईपीएल को लेकर कंपनी ने काफी पहले से तैयारी शुरू कर दी है।

8.21 मीटर छलांग लगाई, खिताब जीतने वाले चौथे भारतीय

अमेरिका में लोकेश सत्यनाथन ने लॉन्ग जंप में गोल्ड जीता

बार्सिलोना. एजेंसी

भारतीय लॉन्ग जंपर लोकेश सत्यनाथन ने अमेरिका के अर्कांसस में आयोजित नेशनल कॉलेजिएट एथलेटिक एसोसिएशन डिवीजन-द्व चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता है। लोकेश ने 8.21 मीटर की छलांग लगाकर न केवल अपना पिछला इंडोर नेशनल रिकॉर्ड (8.01 मीटर) तोड़ा, बल्कि वे यह खिताब जीतने वाले चौथे भारतीय खिलाड़ी भी बन गए हैं। टेक्सास के टार्लेटन स्टेट यूनिवर्सिटी में हेल्थ साइंस की पढ़ाई कर रहे लोकेश अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता के आशीर्वाद को देतहैं।

वे एक फिल्म के उस दृश्य को याद करते हैं जिसमें नायक अपनी मां से कहता है,यही तुम्हारा सपना था और अब मैं इसे जीतकर दिखाऊंगा।' लोकेश के मुताबिक, अपनी मां के त्याग और उनके शब्दों को याद करने पर आज भी उनके रोंगटे खड़े हो जाते हैं। लोकेश की यह कामयाबी आसान नहीं थी। साल 2022 में अमेरिका जाने से पहले बेंगलुरु में उनका एक भयानक एक्सीडेंट हुआ था, जिसमें उनके चेहरे पर गंभीर चोटें आई थीं। चोटों, दर्द और करियर में आए उतार-चढ़ाव के बावजूद उन्होंने अपने पिता की ताकत और मां के विश्वास के दम पर मैदान पर वापसी की। इस शानदार जीत के साथ लोकेश सत्यनाथन अब भारत के ऑल टाइम लॉन्ग जंपर्स की लिस्ट में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

रिंकू सिंह ने किए बाबा विश्वनाथ के दर्शन

वाराणसी. एजेंसी

क्रिकेटर रिंकू सिंह वाराणसी पहुंच गए। बाबतपुर एयरपोर्ट पर मंगेतर प्रिया सरोज ने रिंकू को रिसीव किया। दोनों ने आज बाबा विश्वनाथ के दर्शन किए। इससे पहले एयरपोर्ट पर रिंकू सिंह को देखकर फैंस सेल्फी और आटोग्राफ लेने लगे। करीबियों का कहना है कि पहले रिंकू सिंह अपनी मंगेतर के परिवार वालों से मिले। इसके बाद मंदिर गए। बता दें रिंकू ने कोलकाता नाइट राइडर्स की ओर से खेलते हुए आईपीएल में मैच में उन्होंने जीत दिलाई थी। कोलकाता-राजस्थान के मैच में 34 बॉल पर नाबाद 53 रन बनाए। साथ ही टीम को 4 विकेट से जीत दिलाई। रिंकू और सपा सांसद प्रिया सरोज की सगाई हो चुकी है। पिछले साल लखनऊ में रिंकू और प्रिया की रिंग सेरेमनी हुई थी। पिता के निधन के बाद रिंकू की शादी की तारीख पर परिवार फिर से विचार कर सकता है।

अगले हफ्ते धोनी आईपीएल में वापसी कर सकते हैं, वानखेड़े में उतरेंगे!

नईदिल्ली. एजेंसी

चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अगले हफ्ते आईपीएल में वापसी कर सकते हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया ने टीम सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि उनकी चोट में तेजी से सुधार हो रहा है और वह आने वाले बड़े मुकाबलों के लिए उपलब्ध हो सकते हैं। धोनी को आईपीएल शुरू होने से करीब एक हफ्ते पहले प्रैक्टिस सेशन के दौरान पिंडली में खिंचाव आ गया था। इसी वजह से वह टूर्नामेंट के शुरुआती तीन हफ्तों में नहीं खेल पाए।

अब उनकी वापसी को लेकर कयास तेज हो गए हैं। संभावना है कि धोनी 23 अप्रैल को मुंबई इंडियंस के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में मैदान पर उतर सकते हैं। अगर ऐसा नहीं होता, तो वह 26 अप्रैल को गुजरात टाइटन्स के खिलाफ चेपॉक स्टेडियम में खेलते नजर आ सकते हैं। चेन्नई सुपर किंग्स का अगला मुकाबला शनिवार को सनराइजर्स हैदराबाद से होना है। हालांकि, इस मैच में धोनी प्लेइंग इलेवन का हिस्सा नहीं होंगे।

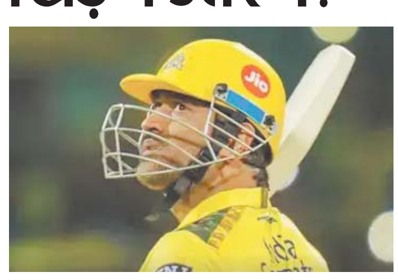

टीम मैनेजमेंट उनकी फिटनेस को लेकर कोई जल्दबाजी नहीं करना चाहता। सूत्रों ने कहा धोनी अभी रिहैब प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। हम उनकी फिटनेस के साथ कोई जोखिम नहीं लेना चाहते, इसलिए उन्हें पूरी तरह फिट होने का समय दिया जा रहा है। भले ही धोनी मैच नहीं खेल रहे हैं, लेकिन वे नेट प्रैक्टिस में लगातार पसीना बहा रहे हैं। धोनी ने हाल ही में नेट्स पर लंबी बल्लेबाजी की है। इस दौरान उन्होंने अपनी रेंज हिटिंग पर खास काम किया। नेट सेशन के दौरान धोनी पुराने अंदाज में लंबे छक्के लगाते दिखे, जिससे संकेत मिल रहे हैं कि वे अपनी लय हासिल कर चुके हैं।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

तब्बू ने कहा था *अजय* की वजह से *सिंगल* हूं...

'मैं और अजय 25 साल से एक-दूसरे को जानते हैं। वे मेरे कजन समीर आर्य के पड़ोसी और क्लोज फ्रेंड हुआ करते थे। जब मैं छोटी थी तो समीर और अजय मुझ पर कड़ी नजर रखते थे। जिस भी लड़के को मुझसे बात करते देखते, उसे पीट दिया करते थे। दोनों बहुत बड़े गुंडे थे। अगर आज मैं सिंगल हूं तो वो सिर्फ अजय देवगन की वजह से ही हूं।' तब्बू ने एक इंटरव्यू में मजाक में कही थी। तब्बू का अफेयर फिल्मी जगत के 3 लोगों से रहा है। सबसे पहले उनका नाम संजय कपूर से जुड़ा। फिर वे डायरेक्टर-प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला के साथ रिश्ते में रहीं। दोनों ने सगाई भी कर ली। हालांकि, दोनों का रिश्ता टूट गया। फिर उन्होंने शादीशुदा नागार्जुन को डेट किया, लेकिन उनके साथ भी तब्बू का रिश्ता मुकम्मल नहीं हो पाया। एक्ट्रेस न बनने की इच्छा रखने वाली तब्बू 39 साल से फिल्मी दुनिया में टॉप पर हैं, लेकिन पर्सनल लाइफ में उतनी ही अकेली भी। बचपन से ही वह सिर्फ मां और बहन के क्लोज रहीं। पिता का आज तक चेहरा नहीं देखा। यहां तक कि उन्हें पिता का सरनेम लगाना भी नागवारा है।

सुनाई दास्तां: जब *मनीषा कोइराला* को लगा कि वह मरने वाली हैं...

मनीषा कोइराला ने एक बातचीत में बताया कि उन्होंने कैंसर से कैसे जंग जीती। अभिनेत्री ने इलाज के दौरान के अनुभवों को भी साझा किया, जो दिल को झकझोर देने वाले हैं। मनीषा कोइराला ने बॉलीवुड में तीन दशकों से ज्यादा काम किया है। वह सबसे पसंदीदा अभिनेत्रियों में से एक हैं। अभिनेत्री के लाखों करोड़ों प्रशंसक हैं। अपने करियर के दौरान उन्होंने एक से बढ़कर एक हिट और सुपरहिट फिल्में दी। अभिनेत्री ने अपनी जिंदगी में कई मुश्किल लड़ाइयां लड़ी हैं। उनमें से एक है उनका कैंसर से लड़ना। अभिनेत्री को वर्ष 2012 में 'ओवेरियन कैंसर' का पता चला। अभिनेत्री ने कहा, वर्ष 2012 में मुझे पता चला और मुझे इस बात का बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था कि यह 'ओवेरियन कैंसर' का अंतिम चरण है। जब नेपाल में मुझे पता चला, तो मैं बहुत डरी हुई थी, जाहिर है, हर किसी की तरह, बहुत ज्यादा। हम जसलोक अस्पताल में थे। वहां भी जब डॉक्टर आए, दो, तीन डॉक्टर, बड़े डॉक्टर और मैंने उनसे बात की, तो मुझे लगा कि मैं मरने वाली हूं। मुझे लगा कि यह मेरा अंत है। हम न्यूयॉर्क गए थे और इलाज करवाया था।

कैंसर का पता चलने पर सदमा

हाल ही में अभिनेत्री ने कैंसर के साथ जूझने के अनुभवों को साझा किया। इस बारे में उन्होंने खुलकर बात की। एएनआई से बातचीत में मनीषा ने कहा कि जब उन्हें इसका पता चला तो उन्हें एक सदमा लगा। अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें लगा कि वह मरने वाली हैं और यह उनके जीवन का अंत था। अंत में उनके परिवार ने न्यूयॉर्क में उनका इलाज करवाने का फैसला किया।

सिंघम के बाद कई फिल्मों के सीक्वल में नजर आएंगे अजय

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन इन दिनों अपनी एक्शन से भरपूर फिल्म सिंघम 3 को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। इस फिल्म में अजय बाजीराव सिंघम के किरदार से फिर से बड़े पर्दे पर धमाल मचा रहे हैं। सिंघम अगेन साल 2011 में रिलीज हुई फिल्म सिंघम की तीसरी किस्त है। वहीं अब अजय अपनी कई फिल्मों के सीक्वल में नजर आने वाले हैं। अजय देवगन बॉलीवुड के प्रसिद्ध अभिनेता हैं। उनकी फिल्मों की रिलीज का प्रशंसक बेसब्री से इंतजार करते हैं। इस फिल्म में अजय देवगन का एक्शन अवतार एक बार नहीं बल्कि इसकी पिछली किस्तों में भी नजर आ चुका है। साल 2011 में रिलीज हुई फिल्म सिंघम, साल 2014 में रिलीज हुई सिंघम रिटर्न्स और साल 2024 में इसकी तीसरी किस्त सिंघम अगेन के नाम से रिलीज हुई है, जो लगातार बॉक्स ऑफिस पर कमाई के नए आयाम हासिल कर रही है। वहीं अब अजय अपनी बाकी फिल्मों के सीक्वल में भी नजर आने वाले हैं। अजय देवगन ने सिंघम 3 में अपने धमाकेदार एक्शन से सभी को चौंका दिया है। यह रोहित शेट्टी की कॉप यूनिवर्स की पांचवीं किस्त है। वहीं इस फिल्म के अलावा भी अजय कई फिल्मों के सीक्वल में नजर आएंगे, जिनकी शूटिंग भी शुरू हो चुकी है। इस लिस्ट में रेड 2, दे दे प्यार दे 2 और सन ऑफ सरदार 2 शामिल हैं। राजकुमार गुप्ता द्वारा निर्देशित एक आगामी थ्रिलर फिल्म है। इसमें अजय देवगन के अलावा इलियाना डिक्रूज, रितेश देशमुख, वाणी कपूर, पूनम झावर और सुनील शेट्टी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

सोकोत्रा आइलैंड के ड्रैगन ब्लड ट्री

छाल को काटने पर बहने लगता है गाढ़ा लाल खून

दुनियाभर में कई ऐसी अजीबोगरीब और रहस्यमयी जगहें हैं, जिनके बारे में जानकर हैरानी होती है। आइलैंड, जहां पहुंचकर सच में लगता है कि हम पृथ्वी पर नहीं, बल्कि किसी दूसरे एलियन प्लानेट पर आ गए हैं। इस जगह का नाम सोकोत्रा आइलैंड है, जो यमन में है। हिंद महासागर में स्थित यह दूरस्थ आइलैंड अपनी विचित्र प्राकृतिक बनावट और अनोखी जैव विविधता के लिए दुनिया भर में जाना जाता है। लेकिन इस द्वीप की सबसे खास पहचान यहां पाए जाने वाले ड्रैगन ब्लड ट्री हैं, जिनका आकार किसी उल्टे छाते जैसा है। यह देखने में बेहद अलग और रहस्यमयी लगते हैं। यहां का नजारा देख कोई भी अचंभित हो सकता है।

इन पेड़ों की सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जब इनकी छाल को काटा जाता है, तो इनमें से गाढ़ा लाल रंग का रस निकलता है, जो देखने में बिल्कुल इंसानी खून जैसा प्रतीत होता है। ऐसा कहा जाता है कि यहां रहने वाले स्थानीय लोग प्राचीन काल से ही इन पेड़ों से निकलने वाले लाल रस का उपयोग औषधियों, रंगों और जादू-टोने जैसी क्रियाओं में करते आए हैं। लाखों सालों तक बाकी दुनिया से पूरी तरह कटे रहने के कारण सोकोत्रा द्वीप पर प्रकृति का विकास बिल्कुल अलग तरीके से हुआ है, जिसकी वजह से यहां पर ऐसे पौधे और जीव विकसित हुए। वैज्ञानिकों के अनुसार, यहां पाई जाने वाली लगभग एक-तिहाई वनस्पति प्रजातियां दुनिया में कहीं और नहीं मिलतीं। इसके अलावा यहां पर कई दुर्लभ पक्षी, सरीसृप और कीट प्रजातियां भी पाई जाती हैं। यही कारण है कि NESCO ने साल 2008 में इसे वर्ल्ड हेरिटेज साइट घोषित किया।

न्यूज विंडो

जापानः घातक हथियार निर्यात पर प्रतिबंध को हटाने को मंजूरी

टोक्यो। जापान ने आज एक बड़ा और ऐतिहासिक फैसला लेते हुए घातक हथियारों के निर्यात पर लगी पुरानी रोक हटाने को मंजूरी दे दी है। यह कदम जापान के द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अपनाई गई शांतिवादी नीति में बड़ा बदलाव माना जा रहा है। प्रधानमंत्री साने ताकाइची की कैबिनेट ने नई गाइडलाइन को मंजूरी दी, जिससे अब जापान अपने हथियार दूसरे देशों को बेच सकेगा। इस फैसले के पीछे मुख्य वजह क्षेत्र में बढ़ते सुरक्षा खतरे बताए जा रहे हैं। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य ताकत और उत्तर कोरिया के मिसाइल परीक्षणों को देखते हुए जापान अपनी रक्षा क्षमता को मजबूत करना चाहता है।

प्रयागराज देश में सबसे गर्म, पारा 44.4°, एमपी में चलेगी लू

भोपाल/लखनऊ/जयपुर। देश के कई हिस्सों में तेज गर्मी होने लगी है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, ओडिशा और दिल्ली में दिन में लू कहर जारी है। इन राज्यों के कई जिले 44°C का आंकड़ा पार कर गए हैं। महाराष्ट्र के गोंदिया और छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में सोमवार को पारा 43 डिग्री दर्ज किया गया। भीषण गर्मी के कारण दोनों जिलों में दोपहर 12:30 बजे से 4 बजे तक ट्रैफिक सिग्नल बंद रखे जा रहे हैं, ताकि लोग चौराहों पर धूप में खड़े रहने से बच सकें। इसके अलावा इन राज्यों की सरकार ने दोपहर 12 से 4 बजे तक सभी आउटडोर काम रोकने के निर्देश दिए हैं। कंस्ट्रक्शन वर्कर, स्ट्रीट वेंडर और ट्रैफिक पुलिस कर्मचारियों के काम के घंटे बदलकर सुबह 6 से 11 बजे तक और शाम 4 से 8 बजे तक किए गए हैं। मौसम विभाग ने मंगलवार को हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, मध्य प्रदेश, वेस्टर्न यूपी, ओडिशा, छत्तीसगढ़, विदर्भ में रातें भी लू चलने का अलर्ट जारी किया है।

रक्षा क्षेत्र में भारत और यूक्रेन के बीच जल्द होगा अहम समझौता

नई दिल्ली। भारत और यूक्रेन के बीच सुरक्षा सहयोग को लेकर एक महत्वपूर्ण समझौता जल्द ही आधिकारिक दस्तावेज की शक्ल लेगा। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी घोषणा करते हुए कहा कि दोनों देश सुरक्षा सहयोग समझौते को अंतिम रूप दे रहे हैं। यह घोषणा यूक्रेन के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव रुस्तम उमेरोव की हालिया भारत यात्रा के बाद आई है, जहां उन्होंने एनएसए अजीत डोभाल और विदेश मंत्री एस जयशंकर से उच्च स्तरीय वार्ता की थी। रूस के साथ पांचवें वर्ष में प्रवेश कर चुके युद्ध के बीच यूक्रेन अब अपने ड्रोन युद्ध और वायु रक्षा प्रणाली से जुड़े अनुभवों को अन्य देशों के साथ साझा कर रहा है। भारत भी यूक्रेन की इस युद्ध संबंधी विशेषज्ञता का लाभ उठाने में रुचि रखता है। वार्ता के दौरान एनएसए अजीत डोभाल ने भारत के उस सैद्धांतिक रुख को दोहराया, जिसमें बातचीत और कूटनीति के माध्यम से शांतिपूर्ण समाधान की वकालत की गई है।

सुनील भंडारी की माता श्रीमती चंदा बाई का निधन

कोटा। कोटा के महावीर नगर निवासी श्रीमती चंदा बाई (धर्मपत्नी स्व. श्री रामचंद्र जी भंडारी) का सोमवार रात्रि 9 बजे निधन हो गया । वे बद्रीलाल भंडारी की भाभीजी और मुकेश व सुनील भंडारी की माताजी थीं। भंडारी परिवार के अनुसार, उनकी अंतिम यात्रा आज को प्रातः 11:30 बजे उनके निवास 8-D-7, महावीर नगर-3, कोटा से रवाना हुई एवं अंतिम संस्कार किशोरपुरा मुक्तिधाम पर किया गया । श्रीमती चंदा बाई के निधन पर चेंबर और कोटा के व्यापारिक व सामाजिक क्षेत्रों से शोक व्यक्त किया गया है ।

तमिलनाडु चुनाव 2026: ADR की रिपोर्ट में खुलासा

18 प्रतिशत उम्मीदवारों पर हैं आपराधिक मामले दर्ज, 25% से अधिक करोड़पति

चेन्नई, एजेंसी

तमिलनाडु में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। राज्य में 23 अप्रैल को चुनाव है। इस बीच, चुनावी मैदान में उतरे उम्मीदवारों की पृष्ठभूमि को लेकर अहम खुलासा सामने आया है। ADR (Association for Democratic Reforms) की ओर से जारी की गई रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव मैदान में उतरे लगभग 18 प्रतिशत उम्मीदवारों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की है, जबकि 25 प्रतिशत उम्मीदवारों के पास एक करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति है।

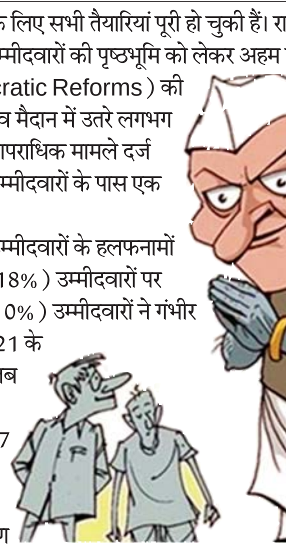

रिपोर्ट में बताया गया कि कुल 3,992 उम्मीदवारों के हलफनामों का विश्लेषण किया गया, जिनमें से 722 (18%) उम्मीदवारों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें से 404 (10%) उम्मीदवारों ने गंभीर आपराधिक मामलों की जानकारी दी है। 2021 के विधानसभा चुनाव में यह आंकड़ा कम था, तब 13 प्रतिशत यानी 466 उम्मीदवारों पर आपराधिक मामले और 6 प्रतिशत यानी 207 पर गंभीर मामले दर्ज थे।

अन्नाद्रमुक (AIADMK) के जिन 170 उम्मीदवारों के हलफनामों का विश्लेषण किया गया, उनमें से 118 (69%), तमिलगा वेत्री कषगम के 231 उम्मीदवारों में से 92 (40%), द्रमुक के 175 उम्मीदवारों में से 70 (40%), भाजपा के 33 उम्मीदवारों में से 16 (48%), कांग्रेस के 28 उम्मीदवारों में से 14 (50%), पट्टाली मक्कल काची के 18 उम्मीदवारों में से 9 (50%), देसीया मुरपोक्कू द्रविड़ कषगम के 10 उम्मीदवारों में से 5 (50%), भाकपा के पांच उम्मीदवारों में से 3 (60%) और माकपा के पांच उम्मीदवारों में से 4 (80%) ने हलफनामों में अपने खिलाफ दर्ज आपराधिक मामलों की घोषणा की है।

पूरा बंगाल तय कर बैठा है, दीदी को हटाने का समय आ गया: शाह

पश्चिम बंगाल में चुनावी माहौल तेज हो चुका है और दार्जिलिंग में आयोजित जनसभा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्य की राजनीतिक स्थिति पर तीखा बयान दिया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि राज्य में बदलाव की मांग अब तेज हो रही है और जनता परिवर्तन की दिशा में सोच रही है। अमित शाह ने गोरखा समुदाय से जुड़े मुद्दों पर बड़ा राजनीतिक संदेश दिया। उन्होंने कहा कि अगर राज्य में भाजपा की सरकार बनती है, तो गोरखा बहनों और भाइयों की लंबे समय से चली आ रही समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। अमित शाह ने अपने संबोधन में दावा किया कि भाजपा सरकार बनने के बाद छह महीनों के भीतर गोरखा समुदाय से जुड़ी पुरानी समस्याओं के समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे, जिससे लोगों के जीवन में संतोष और स्थिरता आ सके। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) दोनों पर गोरखा समुदाय और दार्जिलिंग क्षेत्र की उपेक्षा करने का आरोप रहा है। शाह के अनुसार, इन समस्याओं का समाधान भाजपा अपनी सरकार बनने के बाद तय समयसीमा में करने का प्रयास करेगी।

संपत्ति का आंकड़ा भी चौंकाने वाला

जिन उम्मीदवारों के हलफनामे का विश्लेषण किया गया उनमें से 981 (25 प्रतिशत) करोड़पति हैं, जबकि 22 (0.55 प्रतिशत) अरबपति हैं, यानी उनकी संपत्ति 100 करोड़ रुपये से अधिक है। कांग्रेस के 28 उम्मीदवारों में से दो (7%), द्रमुक के 175 उम्मीदवारों में से सात (4%), अन्नाद्रमुक के 170 उम्मीदवारों में से तीन (2%), पट्टाली मक्कल काची के 18 उम्मीदवारों में से एक (6%), अम्मा मक्कल मुन्नेत्र कषगम के 11 उम्मीदवारों में से एक (9%) और तमिलगा वेत्री कषगम के 231 उम्मीदवारों में से आठ (3%) ने 100 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति घोषित की है। इस बीच, कांग्रेस के 28 उम्मीदवारों में से 27 (96%), द्रमुक के 175 उम्मीदवारों में से 170 (97%), अन्नाद्रमुक के 170 उम्मीदवारों में से 160 (94%), भाजपा के 33 उम्मीदवारों में से 31 (94%), पट्टाली मक्कल काची के 18 उम्मीदवारों में से 16 (89%), डीएमडीके के 10 उम्मीदवारों में से 10, तमिलगा वेत्र कषगम के 231 उम्मीदवारों में से 156 (68%) और भाकपा के पांच उम्मीदवारों में से तीन (60%) ने एक करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति घोषित की है।

सेना का सख्त संदेश

भारत भूलता नहीं, सीमाएं तोड़ने पर प्रतिक्रिया निर्णायक

नई दिल्ली। पहलगाम आंतकी हमले की पहली बरसी से पहले, भारतीय सेना ने आज आतंकवाद के खिलाफ भारत के अडिग रुख को दोहराते हुए एक संदेश जारी किया। सोशल मीडिया साइट्स पर जारी किए गए पोस्ट में भारतीय सेना के संदेश में कहा गया है, 'जब मानवता की सीमाएं लांघी जाती हैं, तो जवाब निर्णायक होता है। न्याय मिलता है। भारत एकजुट है।' यह संदेश पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की ऐतिहासिक सैन्य कार्रवाई 'ऑपरेशन सिंदूर' के पीछे की भावना को दर्शाता है।

जम्मू-कश्मीर की खूबसूरत वादियों में बसे पहलगाम के बैसारन घाटी में हुए इस आतंकी हमले के दौरान आतंकियों ने पर्यटकों से उनका धर्म पूछकर उनपर गोलियां बरसाई थी। इस हमले की कई तस्वीरें और वीडियो ने पूरे देश को अंदर तक झकझोर दिया था। इस हमले के पीड़ितों और कई प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, आतंकियों ने सिर्फ पुरुषों को निशाना बनाया और धर्म न बताने पर उनसे कलमा पढ़ने के लिए कहा और ऐसा न करने पर उनकी निर्मम हत्या की। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने छुट्टियां मना रहे 26 निर्दोष (25 भारतीय नागरिक और एक नेपाली नागरिक) लोगों पर निर्मम हत्या की थी। इस आतंकी हमले के 15 दिन बाद भारतीय सेना ने सात मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी ठिकानों को तबाह किया था। जिसमें कई कुख्यात आतंकी भी मारे गए थे। इसके बाद दोनों देशों के बीच हालात बिगड़े और दो दशक बाद चरम पर पहुंच गए।

मणिपुर में दोहरे बंद से जनजीवन ठप

दो हिंसक घटनाओं के बाद भड़का आक्रोश, कई हिस्सों में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित

इंफाल। मणिपुर के कई पहाड़ी और घाटी जिलों में इस महीने हुई दो अलग-अलग संदिग्ध उग्रवादी हमलों की घटनाओं के बाद हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। इन घटनाओं से संबंधित दोहरे बंद के कारण राज्य के कई हिस्सों में सामान्य जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। बाजार बंद रहे, शैक्षणिक संस्थान नहीं खुले और सार्वजनिक परिवहन सड़कों से गायब रहा।

प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच टकरावः इस घटना के बाद कुकी-जो बहुल चुराचांदपुर जिले के गेलमोल गांव में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच टकराव हुआ, जिसमें CRPF की फायरिंग में तीन प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई। स्थिति बिगड़ने के बाद राज्य सरकार ने 7 अप्रैल को कानून-व्यवस्था की अस्थिर स्थिति का हवाला देते हुए तीन दिनों के लिए इंटरनेट सेवाएं निलंबित कर दी थीं। हालांकि 8 अप्रैल को ब्रॉडबैंड सेवाएं, विशेष रूप से इंटरनेट लीज्ड लाइन और फाइबर टू द होम (FTTH), सशर्त बहाल कर दी गई, लेकिन मोबाइल इंटरनेट सेवाओं पर चरणबद्ध तरीके से रोक जारी रही। अंततः शनिवार को मोबाइल इंटरनेट प्रतिबंध भी हटा लिया गया।

रूसी तेल लेना हुआ आसान! 2030 तक की जरूरत होगी पूरी

होर्मुज की नाकेबंदी के बीच भारत ने खेला बड़ा दांव

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिका और ईरान के बीच लड़ाई और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की नाकेबंदी से उभरे तेल-गैस संकट के बीच भारत ने बड़ा रणनीतिक दांव खेला है। भारत सरकार ने रूसी तेल की सप्लाई को निर्बाध बनाए रखने के लिए समुद्री बीमा देने वाली रूसी कंपनियों की संख्या बढ़ा दी है, जिससे आने वाले वर्षों तक तेल आयात में आने वाली बाधाएं काफी हद तक खत्म हो जाएंगी।

डायरेक्टरेट जनरल ऑफ शिपिंग (DGS) के फैसले के मुताबिक, अब 8 की जगह 11 रूसी बीमा कंपनियों को भारत के बंदरगाहों पर आने वाले जहाजों को कवर देने की मंजूरी दी गई है। ये कंपनियां प्रोटेक्शन एंड इंडेम्निटी कवर प्रदान करेंगी, जो अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार के लिए बेहद जरूरी होता है।

भारत ने खत्म किया सबसे बड़ा रोड़ा

दरअसल, रूस पर पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों के चलते यूरोप की बड़ी बीमा कंपनियों ने रूसी तेल ढोने वाले जहाजों को कवर देना कम कर दिया था। ऐसे में भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती यही थी कि वह अपने लिए वैकल्पिक इंश्योरेंस व्यवस्था तैयार करे। अब रूसी कंपनियों को मंजूरी देकर भारत ने इस समस्या का बड़ा समाधान निकाल लिया है।

होर्मुज की टेंशन पर लगाम

यह फैसला ऐसे समय आया है, जब होर्मुज स्ट्रेट की नाकेबंदी ने दुनियाभर में तेल सप्लाई की चिंता बढ़ा दी है। दुनिया के बड़े हिस्से का तेल इसी रास्ते से गुजरता है, और किसी भी बाधा का सीधा असर भारत जैसे बड़े आयातक देशों पर पड़ता है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है। हाल के वर्षों भारत ने सस्ते रूसी तेल का आयात काफी बढ़ा दिया है। ऐसे में बीमा कवर की उपलब्धता सुनिश्चित करना बेहद जरूरी था, क्योंकि बिना बीमा के कोई भी जहाज अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऑपरेट नहीं कर सकता। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत का यह कदम वैश्विक अस्थिरता के बीच एक 'सेफ्टी कवच' की तरह काम करेगा।

मेट्रो एंकर

7 हजार किसानों को 8,016 करोड़ का मुआवजा मिला

जेवर एयरपोर्ट मुआवजाः एक ही दिन में एक गांव में आ गईं 21 स्कॉर्पियो

लखनऊ, एजेंसी

समृद्धि के साथ बेरोजगारी की यारी देखनी हो तो जेवर एयरपोर्ट के लिए जमीन अधिग्रहण से मिले मुआवजे की पड़ताल कर लीजिए। जिन गांवों में दोपहिया वाहनों का टोटा था, वहां चार पहिया गाड़ियों बैलगाड़ियों की तरह भाग रही हैं।

उधर करोड़ों का मुआवजा मिला तो इधर अकेले दयानतपुर और रानेरा गांव में ही एक दिन में 21 स्कॉर्पियो की फ्लीट आ गई। रबूपुरा जैसे कस्बे में रात 09 के बाद भले खाना तलाश करना पड़े, लेकिन आईफोन आसानी से मिल जाएगा। विस्थापितों की आर एंड आर कॉलोनी में हुक्का गुड़गुड़ाते युवा मिल जाएंगे।

आज शान की जिंदगी जी रहे हैं: पूछने पर बेरोजगारी का मुद्दा उठाते हैं, लेकिन हाथ में महंगे फोन और महंगी कारों की चाबियों ने 18-25 हजार की नौकरी के लिए

हाथ बांध दिए हैं। हर किसी ने अचानक आई संपत्ति को फिजूलखर्ची में नहीं उड़ाया और आज वे शान की जिंदगी जी रहे हैं। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए जेवर क्षेत्र में की गई जमीन अधिग्रहण ने किसानों की आर्थिक स्थिति को पूरी तरह से बदल दिया है। दो चरणों में कुल 2,420 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया गया, जिसके बदले में लगभग 7,000 किसानों को 8,016 करोड़ का मुआवजा मिला। पहले चरण में 1,334 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया गया।

जमीन अधिग्रहण में ये गांव शामिल

इसमें रोही, परोही, दयानंतपुर, रनैरा, बनवारी बांस और किशोरपुर गांव शामिल थे। यहां के किसानों को लगभग 3,688 करोड़ का मुआवजा मिला। दूसरे चरण में 1,187 हेक्टेयर से ज्यादा जमीन का अधिग्रहण किया गया, जिसमें रैनेरा, कुरैब, करावली बांगर, दयानंतपुर और मुधराह गांवों के लगभग 4,000 किसान शामिल थे। उन्हें कुल 4,328 करोड़ का मुआवजा मिला। यमुना सिटी के रीयल इस्टेट ब्रोकर अंशुमान प्रधान ने बताया कि ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट बनाने का विचार जब पहली बार सामने आया था, तब जेवर के गांवों के कई किसान भविष्य को लेकर असमंजस में थे लेकिन स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी है।

करोड़ों आए, पर उड़ाए नहीं

इस उछाल का फायदा उन किसानों को भी मिला, जिन्होंने अपनी कुछ जमीन बचाए रखी या आसपास नई जमीन खरीदी। कई लोगों ने मुआवजे की रकम को नई जमीन में निवेश किया, जबकि कुछ ने इसे बैंक जमा, बच्चों की शिक्षा और घर बनाने में लगाया। रबूपुरा में मोबाइल की दुकान चलाने वाले सुमित सिंह ने बताया कि शुरू में पैसा खर्च हुआ लेकिन फिर घर बनाया। तीन बच्चे निजी स्कूल में पढ़ रहे हैं। 40 किमी दूर 12 बीघा जमीन भी ले ली है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक राजेश सिरोठिया द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। संपादक राजेश सिरोठिया स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) फोन : 0755-7963564